डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
24 अप्रैल 2026 शुक्रवार

आज का मौसम
41.0 अधिकतम
26.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

मतदान के आंकड़ों से चौंकिए मत... इसके अंक गणित को भी समझिए

बंगाल, तमिलनाडु, पुडुचेरी या आने वाले केरल के चुनावों में दिख रहे भारी-भरकम मतदान प्रतिशत से चौंकने की जरूरत नहीं है। ये आंकड़े न तो किसी अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचाते हैं और न ही यह तय करते हैं कि कौन जीत रहा है और कौन हार रहा है।

समाचार विश्लेषण
राजेश सिरोठिया

दरअसल, बढ़ता हुआ मतदान प्रतिशत कई बार 'मतदाता उत्साह' से ज्यादा 'मतदाता सूची के शुद्धीकरण' का परिणाम होता है। यही बात मैंने पहले बिहार चुनाव के दौरान भी कही थी, और आज भी उस पर कायम हूं। यदि सुर्खियां बनानी हों तो इसे 'वोटिंग क्रांति' कहा जा सकता है, लेकिन सच्चाई यह है कि यह आंकड़े अपने आप में किसी राजनीतिक नतीजे की गारंटी नहीं देते।

मतदान प्रतिशत को राजनीतिक रुझानों से जोड़ने से पहले उसका सामान्य गणित समझना जरूरी है। मान लीजिए पहले 100 मतदाता सूची में थे और 57 ने वोट डाला, तो मतदान प्रतिशत 57 फ़ीसदी हुआ। अब अगर संशोधित सूची में केवल 80 पात्र मतदाता रह गए और उनमें से 60 ने वोट दिया, तो प्रतिशत ज्यादा होगा ही। यानी यहां उतने वोट बढ़े नहीं, बल्कि सूची छोटी हुई, और प्रतिशत बड़ा दिखने लगा। यही वह 'अंकगणित' है जिसे समझे बिना राजनीतिक निष्कर्ष निकालना भ्रम पैदा करता है। बंगाल में 2021 के विधानसभा चुनाव के मुकाबले इस बार 91 लाख कम हुआ। पहले चरण की 152 सीटों के लिहाज से बात करें तो यह बीस लाख वोटर थे।

बिहार : एक स्पष्ट उदाहरण

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान करीब 65 लाख नाम हटाए गए। अंतिम सूची में लगभग 7.43 करोड़ मतदाता ही पात्र माने गए। बाद की छानबीन के बाद भी यह कमी 46 लाख की थी, इसका सीधा असर मतदान प्रतिशत पर पड़ा। उस समय भी लगभग सभी राजनीतिक दलों ने इसे अपने पक्ष में जनादेश बताने की जल्दबाजी की। लेकिन नतीजे आने के बाद वही दल अपने-अपने बयान बदलते नजर आए। यानी, आंकड़ों की व्याख्या अक्सर नतीजों के हिसाब से बदल जाती है।

अब बंगाल के आंकड़ों का शोर

पश्चिम बंगाल में पहले चरण में लगभग 93 प्रतिशत मतदान हुआ। पहली नजर में यह असाधारण लगता है। लेकिन अगर यह समझा जाए कि पुनरीक्षण प्रक्रिया (स्ढ्ढक्र) के बाद बड़ी संख्या में अपात्र मतदाताओं के नाम हटाए गए, तो तस्वीर अलग दिखती है। मतदाता सूची के आकार में बदलाव के कारण प्रतिशत में उछाल स्वाभाविक है। इसे सीधे 'लहर' या 'जनादेश' मान लेना जल्दबाजी होगी। सूची के शुद्धिकरण को पारदर्शी तरीके से लागू करना एक बड़ी प्रशासनिक उपलब्धि है। इस प्रक्रिया से यह सुनिश्चित हुआ कि केवल पात्र मतदाता ही लोकतंत्र के इस महायज्ञ में अपनी भागीदारी कर सकें। इस दृष्टि से चुनाव आयोग और उससे जुड़े अधिकारियों की भूमिका सराहनीय है। यह भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का संकेत भी है कि मतदाता अब अपने अधिकार के प्रति अधिक सजग हो रहे हैं।क्रमोबेश यही पैटर्न तमिलनाडु और पुडुचेरी में भी दिखाई दे रहा है, और संभावना है कि केरलम सहित आने वाले चुनावों में भी यही रुझान जारी रहेगा। बूथ मैनेजमेंट और चुनावी मशीनरी निश्चित रूप से मजबूत हुई है, लेकिन केवल मतदान प्रतिशत के आधार पर जनमत की दिशा तय करना भ्रामक हो सकता है।

असली कहानी बाकी

मतदान के आंकड़े एक संकेत जरूर देते हैं, लेकिन वे अंतिम सत्य नहीं होते। असली तस्वीर तब सामने आएगी जब ईवीएम में दर्ज वोटों की गिनती होगी। तब यह स्पष्ट होगा कि किस दल की रणनीति, मेहनत और जनस्वीकृति कितनी प्रभावी रही। तब तक हर राजनीतिक दल और समर्थक को अपनी-अपनी जीत की उम्मीद रखने का पूरा अधिकार है, लेकिन विश्लेषकों के लिए जरूरी है कि वे 'आंकड़ों के शोर' से ज्यादा 'अंकगणित की सच्चाई' को समझें।

बेंगलुरु-गुजरात, समय : शाम 7.30 बजे

न्यूज विंडो

टिहरी गढ़वाल में गहरी खाई में गिरा वाहन, 8 की मौत

टिहरी। उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल जिले के नैल-कोटी कॉलोनी मार्ग पर एक वाहन करीब 300 मीटर गहरी खाई में गिर गया। इस हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई है तो वहीं, 2 लोग घायल बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, हादसे का शिकार सभी लोग घनसाली क्षेत्र के थ्योलधार गांव के रहने वाले थे और हरिद्वार में एक अंतिम संस्कार के बाद वापस लौट रहे थे। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने इस हादसे पर शोक जताया है। टिहरी जिला प्रशासन के मुताबिक, ये हादसे तब हुआ जब चंबा ब्लॉक में चंबा-कोटी सड़क पर नाइल के पास एक वाहन अनियंत्रित होकर लगभग 300 मीटर गहरी खाई में गिर गया।

सिख विरोधी दंगों के दोषी सज्जन सिंह को बेल नहीं

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामले में दोषी सज्जन कुमार को जमानत देने से इनकार कर दिया है। कुमार ने दलील दी थी कि वह पिछले 7 साल और 4 महीने से जेल में हैं। उनकी पत्नी गंभीर रूप से बीमार हैं और चल-फिर नहीं सकतीं, लेकिन वह उनसे एक बार भी मिल नहीं पाए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत देने से इनकार कर दिया और अगली सुनवाई जुलाई के लिए तय की।

सीएम सम्राट चौधरी ने हासिल किया विश्वास मत

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बिहार विधानसभा में विश्वासमत हासिल कर लिया है। ध्वनि मत से वे सदन का विश्वास हासिल करने में सफल रहे। विधानसभा में संख्या बल को देखते हुए पहले से ही ऐसी उम्मीद थी कि मतदान की संभावना कम ही है। ऐसा ही हुआ भी। ध्वनिमत के आधार पर सरकार ने विश्वासमत हासिल किया।

आज का कार्टून

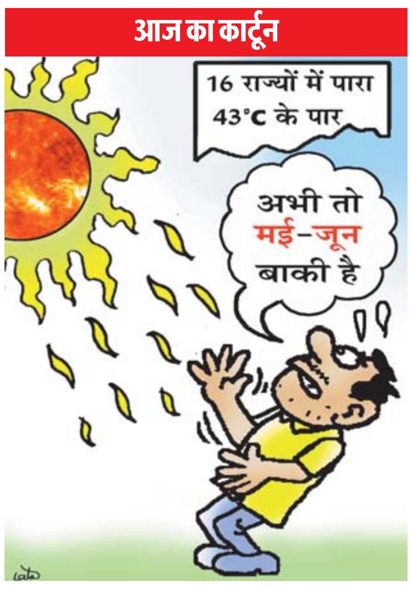

तनातनी के बीच के शान्ति... अमेरिका को ईरान से डील की कोई जल्दी नहीं

ट्रम्प ने की इजराइल-लेबनान के बीच तीन हफ्ते के युद्ध विराम की घोषणा

- ईरान ने अपने कार्गो जहाज जब्त किए जाने को समुद्री डकैती करार दिया
- युद्ध में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की आशंकाएं निराधार

तेहरान / वाशिंगटन डीसी

डोनाल्ड ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में इजराइल और लेबनान के राजदूत स्तर की दूसरी बातचीत के बाद दोनों देशों के बीच सीजफायर को तीन हफ्तों के लिए बढ़ाने का ऐलान किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर बताया कि वह जल्द ही इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन को व्हाइट हाउस बुलाने की योजना बना रहे हैं। ईरान के साथ समझौते को लेकर ट्रम्प ने कहा कि कोई भी डील तभी होगी जब वह अमेरिका के हित में होगी। उन्होंने साफ किया कि इस मामले में कोई तय समय सीमा नहीं है और वह जल्दबाजी में फैसला नहीं करेंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के खिलाफ परमाणु हथियारों का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। उनके मुताबिक पारंपरिक (नॉन-न्यूक्लियर) हमलों से ही ईरान को पहले ही भारी नुकसान पहुंचाया जा चुका है, इसलिए परमाणु हथियारों की जरूरत नहीं है। इसी बीच तनाव तब और बढ़ गया जब अमेरिकी नौसेना ने होर्मुज स्ट्रेट के पास गुरुवार को एक ईरानी कार्गो जहाज को जब्त कर लिया। ईरान ने इसे 'समुद्री डकैती' करार देते हुए जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है। हालात इसलिए भी पेचीदा हैं क्योंकि ट्रम्प के बयान लगातार बदलते दिख रहे हैं। कभी वह समझौते की उम्मीद जताते हैं, तो कभी युद्ध फिर शुरू होने की चेतावनी देते हैं।

ईरान पर हमले की प्लानिंग !

अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम बढ़ने के कुछ दिनों बाद नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिकी सेना ईरान के खिलाफ नए सैन्य हमले की योजनाएं तैयार कर रही है। पेंटागन होर्मुज स्ट्रेट, दक्षिणी अरब खाड़ी और ओमान की खाड़ी में ईरानी सैन्य क्षमताओं को निशाना बनाने के विकल्पों पर विचार कर रहा है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका खासतौर पर ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की फास्ट अटैक बोट्स और माइंस बिछाने में इस्तेमाल होने वाले जहाजों को निशाना बना सकता है। इन साधनों के जरिए ईरान इस अहम समुद्री मार्ग पर दबाव बनाए रखता है। अमेरिका उन ईरानी सैन्य नेताओं को निशाना बना सकता है जिन्हें वह स्थायी शांति वार्ता में बाधा मानता है। जरूरत पड़ने पर ईरान के मिसाइल भंडार और लॉन्चरों पर भी दोबारा हमले हो सकते हैं।

पोप की अपील, शांति की राह अपनाएं

ईरान-अमेरिका संघर्ष के बीच पोप लियो ने दोनों देशों से शांति वार्ता जारी रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि इस युद्ध में ईरान की आम जनता, खासकर निर्दोष लोग सबसे ज्यादा पीड़ित हो रहे हैं। पोप ने जोर देकर कहा कि सभी पक्षों को युद्ध का खतरा खत्म कर अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह किसी भी हालत में युद्ध के पक्ष में नहीं हैं और दुनिया को नफरत नहीं बल्कि शांति की संस्कृति की ओर बढ़ना चाहिए।

मोजतबा की हालत ठीक नहीं

इस पूरे घटनाक्रम के बीच ईरान खुद भी अंदरूनी संकट से जूझ रहा है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, देश के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई गंभीर रूप से घायल हैं और सार्वजनिक तौर पर सामने नहीं आ रहे। उनकी हालत ऐसी है कि उन्हें डॉक्टरों की निगरानी में गुप्त स्थान पर रखा गया है। बताया जा रहा है कि उनकी एक टांग पर तीन बार सर्जरी हो चुकी है और अब उन्हें कृत्रिम पैर की जरूरत है। चेहरे पर गंभीर जलन के कारण बोलने में भी दिक्कत है।

11 जिलों में लू के हालात, नर्मदापुरम में स्कूलों की छुट्टी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजस्थान से आ रही गर्म हवा से मध्य प्रदेश में तपिश बढ़ गई है। भोपाल, जबलपुर, उज्जैन, नर्मदापुरम और सागर संभाग के शहरों में आज हीट वेव यानी लू जैसे बने हुए हैं। नर्मदापुरम में स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। मौसम केंद्र के अनुसार, जिन शहरों में लू चलने का अलर्ट है, उनमें निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, रायसेन, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, सिवनी, रतलाम, झाबुआ, धार और अलीराजपुर शामिल हैं। इससे पहले गुरुवार को प्रदेश में पारा सामान्य से 4.2 डिग्री सेल्सियस तक ज्यादा रहा। नर्मदापुरम में तापमान सबसे ज्यादा 43.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। छतरपुर जिले के खजुराहो में 43.4 और नौगांव में 43 डिग्री दर्ज किया गया। प्रदेश के 5 बड़े शहरों की बात करें तो जबलपुर में 41.6, भोपाल में 41, ग्वालियर में 40.8, इंदौर में 40.6और उज्जैन में 40 डिग्री सेल्सियस पारा पहुंच गया। मौसम विभाग की मानें तो अप्रैल के आखिरी में बारिश के भी आसार हैं। मौसम विभाग ने 27 अप्रैल को ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी और अनूपपुर में गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना जताई है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस की वजह से ऐसा होगा।

हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी ने दर्ज कराई है एफआईआर

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को झटका, गुवाहाटी कोर्ट ने खारिज की अग्रिम जमानत की अर्जी

गुवाहाटी, एजेंसी

गुवाहाटी हाईकोर्ट ने आज कांग्रेस नेता पवन खेड़ा द्वारा दायर अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। यह याचिका असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर के संबंध में दाखिल की गई थी। पवन खेड़ा की ओर से एफआईआर में लगाए गए आरोपों के आधार पर गिरफ्तारी से बचाव के लिए अग्रिम जमानत की मांग की थी, जिसे अदालत ने स्वीकार नहीं किया।

पवन खेड़ा ने क्या लगाया था आरोप?

दरअसल, पवन खेड़ा ने आरोप लगाया था कि रिनिकी भुइयां सरमा के पास एक से ज्यादा पासपोर्ट हैं। इसी बयान के बाद उनके खिलाफ गुवाहाटी क्राइम ब्रांच थाने में एफआईआर दर्ज की गई। इस एफआईआर में भारतीय न्याय संहिता की कई धाराएं लगाई गई हैं, जिनमें चुनाव से जुड़े गलत बयान, धोखाधड़ी, जालसाजी, मानहानि और शांति भंग करने जैसे आरोप शामिल हैं।

चुनावी ड्यूटी वाले अफसरों के नाम कटे, सुप्रीम कोर्ट में दायर की याचिका

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर एक बड़ा विवाद सामने आया है। चुनाव ड्यूटी पर तैनात 65 अधिकारियों के नाम ही मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। इससे नाराज इन अधिकारियों ने आज सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ वकील एमआर शमशाद ने कोर्ट में कहा, 'ये 65 अधिकारी चुनाव ड्यूटी पर हैं। इनके ड्यूटी आर्डर पर वोटर आइडी नंबर भी दर्ज हैं, लेकिन अब वो नंबर ही डिलीट कर दिए गए हैं। जो लोग चुनाव करवा रहे हैं, वही वोट नहीं डाल पाएंगे। यह मनमाना फैसला है। कई लोगों को नाम हटाने की वजह तक नहीं बताई गई।

'प्रतिभा' का सम्मान

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज मुख्यमंत्री निवास पर 10वीं बोर्ड परीक्षा में 500 में से 499 अंक प्राप्त करने वाली पन्ना जिले की प्रतिभा सिंह सोलंकी को एक लाख की प्रोत्साहन राशि प्रदान की।

मेट्रो एंकर | रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स के कर्मचारी का मामला, सेवा में वापस लेने के आदेश

दूसरी शादी पर नौकरी से निकाला... हाईकोर्ट ने कहा- यह 'चौंकाने वाला'

मुंबई, एजेंसी

एक अहम फैसले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने को कहा है कि हालांकि हिंदू धर्म में पहली पत्नी के रहते दूसरी शादी करना जायज़ नहीं है, फिर भी ऐसी 'गलती' करने वाले किसी सरकारी कर्मचारी को नौकरी से निकालने जैसी 'चौंकाने वाली' सज़ा नहीं दी जा सकती। जस्टिस रविंद्र घुगे और जस्टिस हितेन वेनेगांवकर की डिवीज़न बेंच ने संतोष चव्हाण नमक व्यक्ति को नौकरी पर वापस लेने का आदेश दिया।

संतोष चव्हाण ने बिलासपुर में रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स में पुलिस कांस्टेबल के तौर पर जॉइन किया था और बाद में उनका ट्रांसफर ठाणे ज़िले के कल्याण में जूनियर क्लर्क के तौर पर हो गया। उन्हें इस आधार पर नौकरी से निकाल दिया गया था कि उन्होंने अपनी पहली शादी के रहते हुए दूसरी शादी कर ली थी। चव्हाण के वकील अभिनव चंद्रचूड़ के मुताबिक, चव्हाण ने 21 अप्रैल, 2008 को शादी की थी। हालांकि, कुछ अनबन की वजह से दोनों अलग हो गए और अब उनके बीच कानूनी लड़ाई चल रही है। साल 2016 में चव्हाण ने दूसरी शादी की, जबकि उनकी पहली शादी अभी कानूनी तौर पर खत्म भी नहीं हुई। इसलिए उनके एम्प्लॉयर ने रेलवे सर्विस रूल्स, 1968 का उल्लंघन करने के आरोप में चव्हाण के खिलाफ एक शुरुआती जांच की। जांच करने के लिए अधिकारी को नियुक्त किया गया, जिसने गवाहों और खुद चव्हाण के बयान दर्ज किए। नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में उनके खिलाफ चार्जशीट दायर की गई।

दूसरी जांच के बाद बर्खास्तगी

पहली जांच के बाद उनकी नौकरी के बचे हुए 19 साल को देखते हुए उन्हें सिर्फ एक इंक्रीमेंट रोकने की सज़ा दी गई। हालांकि, बाद में आरपीएफ की रिवीजनल अथॉरिटी ने इस मामले का खुद संज्ञान लिया। साथ ही चव्हाण के खिलाफ एक नई जांच का आदेश दिया। एक नया जांच अधिकारी भी नियुक्त किया। अथॉरिटी ने नए अधिकारी से चव्हाण के लिए एक 'बड़ी' सज़ा की सिफारिश करने को कहा, क्योंकि पिछले अधिकारी ने एक 'छोटी' सज़ा की सिफारिश की थी। इसके बाद, चव्हाण को एक नई चार्जशीट जारी की गई और मार्च 2025 से उन्हें सेवा से बर्खास्त करने का आदेश पारित किया गया। अपनी बर्खास्तगी को चुनौती देते हुए चव्हाण ने पहले केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (ष्ट्रञ्ज) का रुख किया, लेकिन वहां से कोई राहत न मिलने पर उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

ऑटो चालकों की मनमानी से राहगीर परेशान

भोपाल। भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-1 के पास इन दिनों अव्यवस्था और अतिक्रमण ने यात्रियों और वाहन चालकों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। यहां ऑटो चालकों द्वारा सड़क पर मनमाने तरीके से खड़े किए जा रहे वाहनों के कारण रोजाना भारी ट्रैफिक जाम की स्थिति बन रही है। सुबह से लेकर देर शाम तक स्टेशन के बाहर का मुख्य मार्ग ऑटो की कतारों से घिरा रहता है, जिससे आम राहगीरों, यात्रियों और निजी वाहनों को निकलने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार तो स्थिति इतनी खराब हो जाती है कि कुछ ही दूरी तय करने में लंबा समय लग जाता है। स्थानीय लोगों और यात्रियों का कहना है कि ऑटो चालकों ने स्थायी रूप से सड़क को स्टैंड बना लिया है। निर्धारित स्थान होने के बावजूद नियमों की अनदेखी कर सड़क पर ही सवारियां बैठाई और उतारी जा रही हैं, जिससे अव्यवस्था लगातार बढ़ती जा रही है। हैरानी की बात यह है कि इस पूरे मामले में ट्रैफिक पुलिस की सक्रियता नजर नहीं आ रही। रोजाना जाम की स्थिति बनने के बावजूद न तो कोई सख्त कार्रवाई हो रही है और न ही अतिक्रमण हटाने की ठोस पहल दिखाई दे रही है। यदि समय रहते इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाले दिनों में हालात और बिगड़ सकते हैं। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि स्टेशन परिसर के बाहर ऑटो चालकों के लिए निर्धारित स्टैंड की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और सड़क पर हो रहे अतिक्रमण को सख्ती से हटाया जाए, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू हो सके।

डीआइजी प्रणाली में 25 अफसर संभालते थे शहर

कमिश्नरेट सिस्टम अपनी कमजोरियों से जूझ रहा, एक दर्जन पद हैं खाली

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में बेहतर कानून व्यवस्था के दावे के साथ लागू किया गया पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम अब अपनी ही कमजोरियों से जूझता नजर आ रहा है। ढांचा तो पहले से कहीं बड़ा और मजबूत तैयार किया गया, लेकिन अफसरों की भारी कमी इस व्यवस्था का प्रभाव कम होता जा रहा है। हालात यह हैं कि जिन अफसरों की संख्या बढ़ाकर व्यवस्था को सशक्त बनाने की बात कही गई थी, उन्हीं पदों पर लंबे समय से नियुक्तियां नहीं हो पाई हैं।

पुरानी डीआईजी प्रणाली में महज 25 राजपत्रित अधिकारियों के भरोसे पूरा शहर संचालित होता था। इसके मुकाबले कमिश्नरेट सिस्टम में आईजी स्तर के नेतृत्व में 50 से अधिक राजपत्रित अफसरों के बड़े ढांचे का प्रावधान किया गया। लेकिन विडंबना यह है कि इस विस्तारित ढांचे के बावजूद करीब एक दर्जन अहम पद अब भी खाली पड़े हैं।

बिना कप्तान के संवेदनशील जोन

सबसे चिंताजनक स्थिति उन जोन की है, जहां अपराध का ग्राफ सबसे अधिक है। जोन-1, जहां शहर के सबसे ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज होते हैं, वहां डीसीपी का पद पिछले पांच महीनों से खाली है। इसी तरह पुराने शहर का जोन-3, जो कानून व्यवस्था के लिहाज से बेहद संवेदनशील माना जाता है, वहां ढाई साल से स्थायी डीसीपी की नियुक्ति नहीं हो सकी है। इन दोनों जोन में लूट, हत्या और गोलीबारी जैसी गंभीर वारदातें सामने आ चुकी हैं।

प्रभार का बोझ कमजोर मॉनिटरिंग

रिक्त पदों का अतिरिक्त प्रभार अन्य अधिकारियों को सौंपा गया है, जिससे उन पर काम का दबाव बढ़ गया है। नतीजतन थानों की नियमित मॉनिटरिंग प्रभावित हो रही है। जमीनी स्तर पर अधिकारियों की मौजूदगी कम होने से कानून व्यवस्था पर सीधा असर पड़ रहा है। वहीं भोपाल पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने बताया कि शहर में अधिकारियों के पद रिक्त हैं, जिसका प्रभार वर्तमान में अन्य अधिकारियों को दिया गया है। वहीं रिक्त पदों को लेकर मुख्यालय में मांग की है। भोपाल में कई रिक्त पदों को लेकर मांग प्राप्त हुई है, जल्द ही रिक्त पदों पर नियुक्ति की जाएगी।

अरेरा कॉलोनी में आर्य समाज मंदिर के समीप खुल गई है शराब की दुकान

कांग्रेस के आंदोलन को मिला भाजपा नेताओं का समर्थन, अवैध शराब दुकान के विरोध में प्रदर्शन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी भोपाल में अवैध एवं संवेदनशील क्षेत्रों में संचालित अवैध शराब दुकानों के खिलाफ स्थानीय नागरिकों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी कड़ी में आज अरेरा कॉलोनी स्थित आर्य समाज मंदिर के समीप संचालित शराब दुकान के विरोध में क्षेत्रीय रहवासियों और भारी संख्या में स्थानीय महिलाओं ने जोरदार प्रदर्शन किया।

उल्लेखनीय है कि यह शराब दुकान आर्य समाज मंदिर से मात्र लगभग 40 मीटर की दूरी पर संचालित हो रही है, जिसे लेकर पिछले एक वर्ष से क्षेत्रीय निवासी और कांग्रेस नेता विवेक त्रिपाठी द्वारा निरंतर विरोध किया जा रहा है। रहवासियों का कहना है कि धार्मिक स्थल के इतने नजदीक शराब दुकान का संचालन न केवल सामाजिक मर्यादाओं के खिलाफ है, बल्कि क्षेत्र के वातावरण को भी प्रभावित कर रहा है।

इस संबंध में रहवासियों द्वारा कई बार जिला प्रशासन एवं आबकारी विभाग को लिखित एवं मौखिक शिकायतें की जा चुकी हैं। इतना ही नहीं, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के

सदस्य प्रियंक कानूनगो द्वारा भी मामले का संज्ञान लेते हुए मौके पर पहुंचकर संबंधित अधिकारियों को तत्काल दुकान हटाने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होना प्रशासनिक उदासीनता को दर्शाता है।

स्थानीय निवासी कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने बताया कि पिछले एक वर्ष से लगातार इस शराब दुकान का विरोध किया जा रहा है। पूर्व कलेक्टर से लेकर वर्तमान कलेक्टर तक, साथ ही आबकारी विभाग के अधिकारियों को भी कई बार अवगत कराया गया, लेकिन आज तक कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने कहा कि मानवाधिकार आयोग के हस्तक्षेप के बाद भी यदि प्रशासन कार्रवाई नहीं करता है, तो यह गंभीर लापरवाही है।रहवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही उक्त शराब दुकान को हटाने की कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा तथा उग्र प्रदर्शन के लिए बाध्य होना पड़ेगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेता विवेक त्रिपाठी , क्षेत्रीय पार्षद शिखा मोनू गोहिल , सचिन दास बब्बा,रवि शर्मा , लवनीश भाटी, पूर्णेन्दु शुक्ला आदि बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे और सभी ने एक स्वर में प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की और सरकार को चेतावनी दी अगर इस अवैध दुकान को जल्द नहीं हटाया गया तो अरेरा कॉलोनी के निवासी दुकान पर ताला बंदी करेंगे।

युवाओं में नशे का नया ट्रेंड, दर्द की दवा बनी नशे की पुड़िया

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

नशे की लत में फंसे राजधानी के युवाओं ने दर्द की दवा का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। वे अब ब्यूप्रेनाफिन और ऑनरेक्स सिरप का इस्तेमाल की खबर है। इसका खुलासा हाल ही में हुआ है। इससे पहले के सालों में इन दवाओं के इस्तेमाल की खबर सामने नहीं आयी थी।

इसमें सबसे हैरत में करने वाली बात ये है कि बीसीए डिग्री हासिल करने वाले युवा इस अवैध कारोबार के बड़े हैंडलर के रूप में सामने आये हैं। भोपाल में युवाओं की बड़ी संख्या इन दोनों दवाओं को वैकल्पिक ड्रग्स के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं।

राजधानी में ड्रग्स फ्री अभियान शुरु हुए नौ दिन बीत चुके हैं। पुलिस कमिश्नर संजय कुमार की सख्ती के बाद भारी संख्या में चार दिनों के भीतर गांजा की धरपकड़ शुरु हुई है। नतीजतन शहर में गांजा और एमडी ड्रग्स खपाने वाले गिरोह माल सहित अंडर ग्राउंड हो गये हैं। बता दें कि अभियान के शुरुआती पांच दिन की कार्यवाही कुछ खास नहीं रही।

केस-1 : हनुमानगंज थाना पुलिस ने 29 साल के राहुल मिश्रा को दबोचा था। वह शहडोल जिले का रहने वाला था। उसके कब्जे से ब्यूप्रेनाफिन के 385 इंजेक्शन जब्त हुए थे। यह इंजेक्शन वह आठ सौ रुपये में बेचा करता था। राहुल मिश्रा प्राइवेट फायनेंस कंपनी में रिकवरी एजेंट का काम करता था। इस दौरान वह खुद ब्यूप्रेनाफिन इंजेक्शन से नशा करने का आदी हो गया। इसके बाद वह उसका हैंडलर बन गया। वह नशे के कारण अपराध की दुनिया में चला गया। मारपीट, जालसाजी, गबन समेत नौ प्रकरण उसके खिलाफ भी दर्ज हैं। जानकारों का कहना है कि यह इंजेक्शन युवाओं की इंद्रियों में बहुत जल्दी शिथिल कर देता है। इस दवा का भी सेवन बिना डॉक्टर की सलाह इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है।

केस-2 : इसी तरह शाहजहांनाबाद थाना पुलिस ने 30 साल के अरबाज उद्दीन को गिरफ्तार किया था। वह टीला जमालपुरा स्थित बाग मुफ्ती साहब कॉलोनी में रहता है। उसका शाहजहांनाबाद इलाके में सिफा मेडिकला स्टोर हैं। पुलिस को खबर मिली थी कि वह डॉक्टरों की बिना सलाह ऑनरेक्स सिरप बेच रहा है। यह सिरप खांसी होने पर बलगम को पतला करके शरीर से बाहर निकालने के काम आता है। हालांकि इसके अत्याधिक सेवन से यह नशा का भी अहसास कराता है। यह पूर्व में बनने वाली और प्रतिबंधित सिरप बेनाड्रिल की जगह पर अब युवाओं के बीच काफी चर्चित नशे का सस्ता सामान हैं। इसकी एक शीशी सौ रुपए में मिल जाती है। पुलिस को अरबाज उद्दीन की दुकान के भीतर दो पेटियों में 211 शीशी मिली थी। पुलिस ने बरामद दवा की कीमत 42 हजार चार सौ रुपए से अधिक बताई है। आरोपी मेडिकल संचालक के खिलाफ एनडीपीएस का प्रकरण दर्ज करके उससे माल सप्लाई करने वाले मुख्य व्यक्ति के बारे में पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया गया है।

हमसफर एक्सप्रेस निरस्त, जून में एक ट्रिप प्रभावित

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल से संचालित रानी कमलापति-संतरागाछी हमसफर एक्सप्रेस को तकनीकी कार्यों के चलते जून महीने में एक-एक ट्रिप निरस्त किया गया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल अंतर्गत बिलासपुर जंक्शन-चांपा जंक्शन रेलखंड पर थर्ड और फोर्थ लाइन से जुड़े अधोसंरचनात्मक निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। इसके तहत प्री-नॉन इंटरलॉकिंग, नॉन इंटरलॉकिंग और पोस्ट-नॉन इंटरलॉकिंग कार्य निर्धारित किए गए हैं। इसी कारण भोपाल मंडल से संचालित हमसफर एक्सप्रेस की एक-एक ट्रिप निरस्त करने का निर्णय लिया गया है। यात्रियों को होने वाली असुविधा पर रेलवे ने खेद जताया है।

एक माह पहले बुकिंग, नहीं मिला गैस सिलेंडर खाद्य विभाग की टीम पहुंची, तब हुई सप्लाई

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

एयरपोर्ट रोड स्थित जानवी इंडेन गैस एजेंसी पर गुरुवार को फिर से हंगामा हो गया। रसोई गैस की किल्लत को लेकर उपभोक्ताओं का आक्रोश सामने आया। करीब 200 लोग दिनभर सिलेंडर के इंतजार में एजेंसी के बाहर जुटे रहे और बाद में हंगामा शुरू हो गया। इस दौरान उपभोक्ताओं और कर्मचारियों के बीच तीखी बहस भी हुई।

उपभोक्ताओं का कहना है कि कई लोगों ने हफ्तों पहले, यहां तक कि एक महीने पहले सिलेंडर बुक कराया था, लेकिन अब तक डिलीवरी नहीं हुई। गुरुवार को भी लोग संत आशाराम चौराहे के पास एजेंसी के ट्रक का इंतजार करते रहे, लेकिन शाम 4 बजे तक सप्लाई नहीं पहुंची, जिससे स्थिति बिगड़ गई। मामले की सूचना मिलते ही जिला आपूर्ति विभाग की टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद ऑयल कंपनी ने लंबित सिलेंडरों का लॉट जारी किया और देर शाम वितरण शुरू कराया गया।

होम डिलीवरी बंद

उपभोक्ताओं ने सवाल उठाया कि जब डिलीवरी चार्ज लिया जा रहा है, तो होम डिलीवरी क्यों नहीं की जा रही। लोगों को एजेंसी या ट्रक से ही सिलेंडर लेने के लिए मजबूर किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि शहर की आधा दर्जन से अधिक गैस एजेंसियों पर इसी तरह की समस्या बनी हुई है। उपभोक्ताओं के अनुसार, 920 रुपये तक भुगतान करने के बावजूद उन्हें घर तक सिलेंडर नहीं मिल रहा। टीला जमालपुरा निवासी कुलदीप ने बताया कि 8 दिन पहले बुकिंग कराने के बाद भी सिलेंडर नहीं मिला। वहीं सुभाष सेन का कहना है कि वे पिछले 6 दिनों से एजेंसी के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिल रहा।

लॉट में हो रही देरी

गैस एजेंसी संचालक शुभम बांधेवाल के अनुसार, लॉट देर से मिलने के कारण यह स्थिति बनी थी, लेकिन अब सिलेंडरों का वितरण शुरू कर दिया गया है और बाकी उपभोक्ताओं को जल्द होम डिलीवरी दी जाएगी। वहीं, जिला आपूर्ति अधिकारी चंद्रभान सिंह जादौन ने बताया कि शिकायत मिलने पर टीम भेजी गई थी और अब स्थिति सामान्य की जा रही है।

दो किस्त में खाते से निकल गए 8.66 लाख रुपए

भोपाल। शाहपुरा में निजी कंपनी से सेवानिवृत्त अधिकारी सायबर फ्रॉड का शिकार बन गया। पुलिस के अनुसार नंदकिशोर दुबे रोहित में रहते हैं। वे एक कंपनी से जनरल मैनेजर के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। नंदकिशोर दुबे के पास कॉल आया। उसने बिजली कंपनी का कर्मचारी बनकर उनसे बातचीत की। उनसे कहा गया कि आपका बिल बाकी है। इसलिए कनेक्शन काटा जा रहा है। जालसाज ने बताया आईवीआरएस नंबर पुराना था। उसमें यह प्रदर्शित हो रहा है। इसके लिए 12 रुपए का भुगतान करने के लिए बोलते हुए मोबाइल पर लिंक भेज दी। इसको क्लिक करते ही उनके एचडीएफसी बैंक खाते से 99 हजार 959 रुपए और आईसीआईसीआई के दूसरे बैंक खाते से सात लाख, 66 हजार 698 रुपए निकाल लिए गए।

मेट्रो एंकर

पुस्तक दिवस पर रेल साहित्य परिषद की काव्य गोष्ठी

आधुनिक युग में भी मुद्रित पुस्तकों का महत्व सदैव रहेगा: मैथिल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

रेल साहित्य परिषद भोपाल द्वारा 'विश्व पुस्तक दिवस' पर पश्चिम -मध्य रेल सभागार में आयोजित विशेष काव्य गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ साहित्यकार घनश्याम मैथिल 'अमृत 'ने कहा कि आधुनिक तकनीक के युग में भी मुद्रित पुस्तकों का महत्व कभी कम नहीं होगा। उन्होंने किताबों के महत्व को अपनी कविता के माध्यम से यूँ रेखांकित किया -'घर की होती शान किताब देती हमको ज्ञान किताब, दुनियाँ भर की बातें इनमें गणित और विज्ञान किताब। ' युवा कवि सुरेश कुशवाह ने माँ सरस्वती की वंदना से गोष्ठी का शुभारम्भ इन पंक्तियों से किया -

'वीणा बजा दो हे वीणामयी हे हंसवाहिनी हे

ज्ञान दायिनी ।'

गोष्ठी को आगे बढ़ाया युवा कवि अमोल लोखंडे ने कुछ इस तरह

'जिम्मेदारी को जुनून भी देना,
अश्रुओं को तुम खून भी देना'

सुधीर साहू की पंक्तियाँ थीं -'

गलत काम करेंगे, निर्दोष सड़ेंगे जेलों में,नफरत की आग भड़का के अपनी कुर्सी बचाएंगे।'

युवा कवि नमन चौकसे को अपनी इन पंक्तियों पर खूब तालियां मिली -

करनें लगे कमाई तो सब शौक़ चले गए,
पानी मिला तो खेत बांध में चले गए। '

युवा कवि नीतिराज चौरे ने काव्य गोष्ठी को कुछ यूँ आगे बढ़ाया -

' आसमान है मेरे ऊपर, हौसला है उड़ने का ,जो भी पाया मैंने आशीर्वाद बुजुर्गों का है ।

कार्यक्रम का संचालन कर रहे युवा कवि कुमार अखिलेश भी खूब सराहे गये -

जंग से हल नहीं होंगे मसले,दूरियां दिल में और बढ़ेंगी। '

वरिष्ठ गज़लकार अनिल रांगोठा की पंक्तियां देखें -

'यादों की महफिल में बुलाया नहीं गया, चाह कर भी मैं उनसे भुलाया नहीं गया।'

वरिष्ठ कवि गिरिजा शंकर नीर ने अपनी व्यंग्य रचनाएं प्रस्तुत कीं-

'वो बड़े खुशनसीब होते हैं ,जिसकी होती है सालियां '

वीरेंद्र बड़गैयाँ की पंक्तियाँ थीं -

'महिलाओं का भला हो ऐसा सब कहाँ सोचते है, दांव पेंच में फंसा कर हकीकत से मुंह मोड़ते है।'

अंत में नीतिराज चौरे ने सभी मंचस्थ अतिथियों एवं श्रोताओं का आभार प्रकट किया ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नरयावली में सांदीपनि विद्यालय के लोकार्पण सहित अन्य विकास कार्यों के भूमि-पूजन एवं लोकार्पण समारोह को सम्बोधित किया।

किसानों से गेहूं का एक-एक दाना खरीदेगी राज्य सरकार, सीएम बोले

मां -बहनों को सर्वोपरि रखने की है हमारी संस्कृति उनका अधिकार दिलाने के लिए सरकार है प्रतिबद्ध

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी संस्कृति माताओं-बहनों का सर्वोपरि रखने की रही है। बहनों को विधानसभाओं और लोकसभा में आरक्षण दिलवाने के लिए हमारी सरकार लड़ाई लड़ रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सबको साथ लेकर चलने के लिए सभी से अपील की थी, लेकिन कुछ राजनैतिक दलों को बहनों को उनका अधिकार देने में जरा भी दया नहीं आई। पहले भी बहनों के भरण पोषण के भत्ते से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के आदेश को भी इन लोगों ने ही ठुकरा दिया था।

राज्य सरकार माताओं-बहनों का सम्मान करते हुए लाड़ली बहना योजना के माध्यम से बहनों को हर महीने 1500 रुपए की सौगात दे रही है। प्रदेश के 17 जिलों में महिला कलेक्टर हैं। प्रदेश के 10 से अधिक जिलों में महिला अधिकारी एसपी हैं और कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। सागर जिले में सांसद, महापौर भी महिलाएं हैं। प्रदेश भर में प्रमुख पदों पर महिलाओं को जिम्मेदारी दी जा रही है, लेकिन कई राजनैतिक दलों को नहीं सुहाता है। माताएं-बहनें सब कुछ भूल सकती हैं, पर अपना अपमान कभी नहीं भूल सकती हैं, बहनों से यही अपील है कि मौका मिलने पर हिसाब जरूर चुकता करना है। हमारा पूर्ण संकल्प है कि आज नहीं तो कल पीएम के नेतृत्व में इन बहनों को विधानसभा और लोकसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण दिलवा कर रहेंगे।

बैनर-पोस्टरों पर पार्टी का जिक्र नहीं

सीएम ने कहा कि प्रदेश के गरीब, किसान, युवा और नारी कल्याण के लिए सरकार प्रयासरत है। अब कृषक कल्याण वर्ष में किसानों को आगे बढ़ाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही हैं। बुंदेलखंड की धरती वीरों और महावीरों की धरती है। बुंदेलखंड के लोग हर क्षेत्र में दक्ष थे, लेकिन प्रकृति की मार पड़ी तो पानी की कमी हो गई और खेती प्रभावित होने से पलायन शुरू हो गया। अब प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में यहां केन-बेतवा लिंक नदी जोड़ो परियोजना की सौगात मिली है। इस 1 लाख करोड़ रुपए की परियोजना से बुंदेलखंडवासियों के पीने के पानी की समस्या हल होगी। किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिलेगा। उद्योग-धंधे स्थापित होंगे। सागर में इंडस्ट्रियल पार्क का कार्य तेजी से हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के किसानों को 5 रुपए में बिजली का अस्थाई कनेक्शन दिया जा रहा है। किसानों को 40 रुपए प्रति क्विंटल बोनस देकर 2625 रुपए प्रति क्विंटल मूल्य पर गेहूं खरीदा जा रहा है। किसानों से किए सभी वादों को पूरा करते हुए आगामी वर्षों में 2700 रुपए से अधिक भाव पर गेहूं खरीदा जाएगा। किसान भाइयों की मेहनत से प्रदेश में इस वर्ष गेहूं उत्पादन भी बढ़ा है। अब पॉली बैग्स का विकल्प निकाला गया है। राज्य सरकार ने गेहूं का एक-एक दाना खरीदने का संकल्प लिया है। राज्य सरकार पहले छोटे और मध्यम वर्ग के किसान और उसके बाद बड़े किसानों का गेहूं खरीद रही है। केंद्र सरकार ने मध्यप्रदेश के लिए 78 लाख मैट्रिक टन गेहूं खरीद का कोटा तय किया है, लेकिन इस बार गेहूं का उत्पादन दोगुना हुआ है, इसीलिए केंद्र सरकार से गेहूं खरीद का कोटा बढ़ाने का अनुरोध किया गया है।

भावांतर योजना के तहत किसानों को किया लाभान्वित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सोयाबीन उत्पादक किसानों को भी राज्य सरकार ने भावांतर भुगतान योजना के अंतर्गत लाभान्वित कर उपज का उचित दाम दिलवाया था। सच्चा वादा, पक्का काम, प्रेम से बोलो जय श्रीराम हमारी सरकार का नारा है। जो कहा है, उसे पूरा करके दिखाया है। प्रदेश में सिंचाई का रकबा भी लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रदेश में नए सांदीपनि विद्यालय खोले जा रहे हैं। प्रदेश में स्कूल, कॉलेज, बांध, सड़कें और उद्योग सहित अन्य विकास कार्यों के लिए आवश्यकता पड़ने पर किसानों से भूमि अधिग्रहित की जाती है। जमीन ही किसानों का आसरा होती है। इसीलिए सरकार ने निर्णय लिया है कि किसानों को भूमि अधिग्रहण करने पर कलेक्टर रेट से 4 गुना मुआवजा दिया जाएगा। किसानों की आय में वृद्धि के लिए कृषि के साथ पशुपालन और दुग्ध उत्पादन पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। राज्य सरकार ने 16 विभागों को एक साथ जोड़कर योजनाएं तैयार की हैं।

प्राइवेट स्कूलों को पीछे छोड़ रहे सांदीपनि स्कूल

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बन रहे आधुनिक सांदीपनि विद्यालय प्राइवेट स्कूलों को पीछे छोड़ रहे हैं। वर्ष 2025-26 में बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम आया तो सरकारी स्कूलों के बच्चों ने सर्वोच्च स्थान हासिल किया है। बेटियों ने परीक्षाओं में बाजी मारी है। राज्य सरकार स्कूल टॉपर विद्यार्थियों को स्कूटी और मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप दे रही है। नरयावली क्षेत्र डॉ. हरिसिंह गौर के समय से शिक्षा का पावन मंदिर रहा है। यहां कोई शासकीय विश्वविद्यालय नहीं था, इसीलिए नरयावली में रानी अवंतीबाई के नाम पर राजकीय विश्वविद्यालय शुरू करने की पहल की गई। नरयावली को आज 27 करोड़ रुपए लागत के सांदीपनि विद्यालय की सौगात मिली है, जो भविष्य निर्माण का प्रमुख केंद्र बनेगा। जरुआखेड़ी में 10 करोड़ की लागत से नवीन आईटीआई भवन, 60 सीटर छात्रावास और आवासीय भवनों का लोकार्पण भी हुआ है। आज इस ऐतिहासिक अवसर पर नरयावली की जनता को 58 करोड़ 46 लाख रुपए लागत के 98 विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमि-पूजन की सौगात मिली है। बुंदेलखंड में 2023 के बाद से 500 किलोमीटर से अधिक की सड़कें बन चुकी हैं। जिला अस्पताल में 100 बेड के नए वार्ड का निर्माण किया जा रहा है। सागर जिले में 6 अलग-अलग नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जा रहे हैं।

गेहूं की पराली जलाने में एमपी देश में नंबर वन

5 साल में 77 हजार से ज्यादा केस विदिशा और उज्जैन रहे सबसे आगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एमपी में गेहूं की पराली जलाने के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। कंसोर्टियम फॉर रिसर्च ऑन एग्रोइकोसिस्टम मॉनिटरिंग एंड मॉडलिंग फ्रॉम स्पेस (और आईसीएआर के डेटा के मुताबिक, देश में पराली जलाने के मामलों में एमपी पहले स्थान पर पहुंच गया है। 5 राज्यों के 29,167 मामलों में से करीब 69 फीसदी हिस्सेदारी एमपी से ही है। यहां 1-21 अप्रैल के बीच राज्य में 20,164 घटनाएं दर्ज की गईं, जो देश में सबसे अधिक हैं।जिला स्तर पर देखें तो केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का संसदीय क्षेत्र विदिशा और उज्जैन गेहूं की पराली जलाने के सबसे आगे है। हालांकि, अभी यह आंकड़ा पिछले साल से थोड़ा कम है।2025 में कुल 20,422 मामले सामने आए थे। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इस साल फसल अवशेष जलाने के सारे रिकॉर्ड टूटने वाले हैं।

केंद्रीय कृषि मंत्री का क्षेत्र पराली जलाने में टॉप पर- केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का संसदीय क्षेत्र विदिशा पराली जलाने में सबसे आगे है। यहां 1-21 अप्रैल तक 2086 घटनाएं सामने आईं। इसके बाद उज्जैन में जहां 2053 और रायसेन में 1982 मामले दर्ज किए गए। वहीं होशंगाबाद में 1705 और सिवनी में 1369 घटनाएं मामले आए।

एमपी के बाद यूपी और हरियाणा में सबसे ज्यादा केस-एमपी के बाद पराली जलाने के मामलों में उत्तर प्रदेश दूसरे स्थान पर है, जहां 1-21 अप्रैल 2026 के बीच 8,889 घटनाएं दर्ज की गईं, हालांकि यह आंकड़ा मध्यप्रदेश से काफी कम है। इसके बाद हरियाणा का स्थान आता है, जहां इस अवधि में 65 मामले सामने आए। वहीं पंजाब में सबसे कम 44 घटनाएं दर्ज की गईं।एमपी में पराली जलाने के बढ़ते मामलों पर गंजबासौदा स्थित कृषि महाविद्यालय के प्रोफेसर आशीष श्रीवास्तव कहते हैं कि किसान गेहूं की कटाई के बाद ग्रीष्मकालीन मूंग की बुवाई करते हैं। उनके पास समय बहुत कम होता है, इसलिए किसान पराली जलाने जैसे आसान तरीके अपनाते हैं।

किसानों के पास और क्या विकल्प

- किसान पराली जलाने के बजाय सुपरसीडर, रोटावेटर, सुपर स्ट्रॉ, मल्चर और रीपर जैसे कृषि यंत्रों का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- गेहूं के भूसे का इस्तेमाल पशु चारे के रूप में भी कर सकते हैं।
- किसान पूसा डीकंपोजर के घोल का छिड़काव कर सकते हैं, जिससे पराली प्राकृतिक खाद में बदल जाती है और मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है।

पराली जलाना प्रतिबंधित

केवल एमपी नहीं पूरे देश में पराली (फसल अवशेष) जलाना प्रतिबंधित है। ऐसा करते पाए जाने पर स्थानीय प्रशासन कार्रवाई कर सकता है। पराली जलाने वाले किसानों पर 2,500 से 15,000 तक जुर्माना लगाया जा सकता है। बार-बार उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई, यहां तक कि सजा का प्रावधान भी है।

भौंरी में बनेगी एआई सिटी, 38 करोड़ में बन रहे प्रोजेक्ट की प्लानिंग शुरू

भोपाल। भोपाल के भौंरी क्षेत्र में प्रस्तावित एआई सिटी प्रोजेक्ट अब आगे बढ़ने लगा है। इसके लिए भोपाल विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने 38 करोड़ रुपए का टेंडर जारी किया है, जिसके जरिए मास्टर प्लान और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जाएगी। करीब 3700 एकड़ में बनने वाली इस सिटी के लिए कंसल्टेंट एजेंसी तय होगी, जो पूरे प्रोजेक्ट का डिजाइन और टेक्निकल प्लान तैयार करेगी।

एजेंसी का चयन तकनीकी क्षमता और गुणवत्ता के आधार पर किया जाएगा। प्रोजेक्ट में क्वांटम कंप्यूटिंग, ड्रोन कॉरिडोर और ऑटोनॉमस वाहनों के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर भी विकसित किया जाएगा। पूरी सिटी को ग्रीन और जीरो-इमिशन जोन के रूप में तैयार करने की योजना है।

क्या बनेगा यहां?

सिटी में बड़े डेटा सेंटर स्थापित होंगे, जहां हजारों जीपीयू लगाए जाएंगे। रिसर्च, स्टार्टअप और टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट को गति मिलेगी।

स्टार्टअप्स को क्या फायदा?

यहां उपलब्ध हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग का उपयोग स्टार्टअप्स और रिसर्चर कर सकेंगे। इससे उन्हें महंगे सर्वर या सुपरकंप्यूटर खरीदने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

35 सरकारी विभागों पर 1.23 अरब के बिजली बिल बकाया

पंचायतें सबसे बड़ी कर्जदार, 5 विभागों पर एक करोड़ रु. से अधिक बिल पेंडिंग

सतना, दोपहर मेट्रो

सतना-मैहर जिले में 35 सरकारी विभागों पर बिजली कंपनी का 1 अरब 23 करोड़ 84 लाख रुपए का बिजली बिल लंबे समय से बकाया है। यह राशि आम बिजली उपभोक्ताओं के खिलाफ सख्ती बरतने वाली कंपनी के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।इन बकायादारों में ग्राम पंचायतें सबसे बड़ी कर्जदार हैं, जिन पर वाटर वर्क्स और स्ट्रीट लाइट के मद में सर्वाधिक 1 अरब 4 करोड़ रुपए के बिल लंबित हैं। इसके बाद नगर निगम 6 करोड़ रुपए के बकाए के साथ दूसरे स्थान पर है।

महिला एवं बाल विकास और शिक्षा विभाग भी बड़े देनदार- विद्युत कंपनी के करोड़ों के बकायेदारों में महिला एवं बाल विकास विभाग तीसरे नंबर पर है, जिस पर 5.31 करोड़ रुपए के बिजली बिल बकाया हैं। स्कूल शिक्षा विभाग पर 4.56 करोड़ रुपए और नगर पालिका मैहर पर 1.49 करोड़ रुपए का बिल लंबित है।

इस मामले में कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने सभी संबंधित विभाग प्रमुखों को पत्र लिखकर भुगतान सुनिश्चित करने और वस्तुस्थिति से अवगत कराने के निर्देश दिए हैं।

यह विभाग भी नहीं भर रहे बिल

लाखों के देनदारों की सूची भी काफी लंबी है। इसमें वन विभाग पर 15 लाख, राजस्व विभाग पर 14 लाख, सामाजिक कल्याण विभाग पर 11 लाख, कृषि विपणन बोर्ड पर 7 लाख, पुलिस पर 5.29 लाख, उच्च शिक्षा पर 4.54 लाख, विधि एवं विधायी विभाग पर 3.58 लाख, लोक सेवा केंद्रों पर 3.57 लाख, कृषि विभाग पर 3.37 लाख, पशु चिकित्सा विभाग पर 3.25 लाख, जनजातीय अनुसंधान पर 2.83 लाख, पीएचई पर 2.86 लाख, तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास पर 2.33 लाख, नागरिक आपूर्ति निगम पर 1.82 लाख, जल संसाधन पर 1.80 लाख और खेल एवं युवा कल्याण विभाग पर 1.45 लाख रुपए बकाया हैं। आयुष, वाणिज्य एवं आबकारी, चिकित्सा शिक्षा और मत्स्य विभाग भी बड़े देनदारों में शामिल हैं।

राहतगढ़ में 20 करोड़ की लागत से बनेगा नया आईटीआई भवन

भोपाल। सुरखी विधानसभा क्षेत्र के राहतगढ़ में युवाओं के तकनीकी कौशल और रोजगार को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ी सौगात मिली है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के प्रयासों से लगभग 20 करोड़ रुपये की लागत से आईटीआई (औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान) भवन निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस परियोजना के अंतर्गत 6 ट्रेड वाला आधुनिक आईटीआई भवन, 30-30 सीट क्षमता वाले बालक एवं बालिका छात्रावास, साथ ही 1 एफ, 2 एच एवं 4 आई टाइप आवासीय भवनों का निर्माण किया जाएगा। इस स्वीकृति से क्षेत्र के युवाओं को अब अपने ही क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाली तकनीकी शिक्षा उपलब्ध हो सकेगी।मंत्री ने कहा कि नए आईटीआई भवन के निर्माण से सुरखी विधानसभा क्षेत्र के युवाओं को विभिन्न तकनीकी ट्रेड्स में प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। इससे वे उद्योगों की मांग के अनुरूप कौशल विकसित कर सकेंगे और रोजगार के बेहतर अवसर हासिल कर पाएंगे।

गेहूं खरीदी में वृद्धि करने में खंडेलवाल ने केन्द्र का जताया आभार, कहा-

समर्थन मूल्य पर 100 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदी से लाखों किसानों को मिलेगा फायदा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मध्यप्रदेश के लिए वर्ष 2026-27 में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर गेहूं खरीदी की सीमा 22 लाख मीट्रिक टन बढ़ाने पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने प्रधानमंत्री का आभार जताया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने किसान कल्याण वर्ष में मध्यप्रदेश के किसानों को बहुत बड़ी सौगात दी है। पीएम द्वारा मध्यप्रदेश में एमएसपी पर गेहूं खरीदी की पूर्व निर्धारित 78 लाख मीट्रिक टन की सीमा को बढ़ाकर 100 लाख मीट्रिक टन कर मध्यप्रदेश के किसानों की मेहनत व उपज को सम्मान देने का कार्य किया है। प्रधानमंत्री जी का यह निर्णय मध्यप्रदेश के किसानों के लिए बड़ी उपलब्धि है। अब अधिक से अधिक गेहूं समर्थन मूल्य पर मध्यप्रदेश की सरकार खरीद सकेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार किसानों के गेहूं को समर्थन मूल्य पर खरीदी के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

खण्डेलवाल ने कहा कि केंद्र सरकार ने मध्यप्रदेश की पहल पर समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी को 22 लाख मीट्रिक टन बढ़ाकर 100 लाख मीट्रिक करना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का मध्यप्रदेश के किसानों के प्रति उनके प्रेम और स्नेह को दर्शाता है। पूर्व में केंद्र सरकार ने मध्यप्रदेश सरकार को इस वर्ष गेहूं खरीदी की निर्धारित अनुमान 78 लाख मीट्रिक टन किया था।

भाजपा सरकार किसानों के साथ खड़ी

हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों से मध्यप्रदेश में गेहूं के उत्पादन में उल्लेखनीय बढ़ोत्तरी हुई है। केंद्र सरकार के इस निर्णय से मध्यप्रदेश के लाखों किसानों को फायदा होगा और लोगों का खेती के प्रति उत्साह और बढ़ेगा। केंद्र सरकार द्वारा लिए गए निर्णय से किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए भाजपा संगठन और सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों को और बल मिलेगा। केंद्र सरकार के इस निर्णय से किसान आर्थिक रूप से सशक्त होंगे और उनकी उपज का एक-एक दाना भाजपा सरकार खरीद सकेगी। किसानों के हितों को लेकर लिए गए इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए मैं एक बार पुनः प्रकट करता हूं।

विज्ञान मंथन यात्रा में विद्यार्थियों ने किया इसरो एवं वीआईटीएम का भ्रमण

भोपाल। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा आयोजित 18वीं विज्ञान मंथन यात्रा में विद्यार्थियों को विज्ञान एवं अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के विभिन्न आयामों से परिचित कराया जा रहा है। यात्रा में विद्यार्थियों ने बैंगलुरु में इसरो के प्रमुख केंद्रों का भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने इसरो टेलीमेट्री, ट्रैकिंग एंड कमांड नेटवर्क और मिशन ऑपरेशंस कॉम्प्लेक्स (एमओएक्स) का अवलोकन किया। यहां वैज्ञानिकों ने मिशन ऑपरेशन, मिशन कंट्रोल और मिशन विश्लेषण की प्रक्रियाओं को सरल भाषा में समझाया। उन्होंने बताया कि अंतरिक्ष में प्रक्षेपित उपग्रहों और यानों का संचालन एमओएक्स के माध्यम से किया जाता है। विद्यार्थियों को भारत की अंतरिक्ष यात्रा के प्रमुख पड़ावों—आर्यभट्ट, चंद्रयान-1, चंद्रयान-2, चंद्रयान-3, गगनयान और आदित्य एल-1 की जानकारी दी गई।

दोपहर मेट्रो

हाईटेक होने जा रहा मध्य प्रदेश सरकार का वीवीआईपी बेड़ा

24 साल बाद नया जेट, 15 साल बाद नया हेलिकॉप्टर आएगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राज्य शासन को नए सुपर मिड साइज जेट विमान और ट्विन इंजन हेलिकॉप्टर की डिलेवरी जल्द होने वाली है। राज्य सरकार को मिलने वाला आधुनिक बिजनेस जेट बॉम्बार्डियर चैलेंजर 3500 जुलाई 2026 तक मिल सकता है। यह अत्याधुनिक विमान कनाडा की कंपनी बॉम्बार्डियर इंक. द्वारा तैयार किया जा रहा है। राज्य सरकार इस विमान को संचालित करने के लिए अपने पायलट को विशेष प्रशिक्षण के लिएअमेरिका भेजेगी। ताकि वे इस अत्याधुनिक जेट को सुरक्षित और कुशलता से उड़ा सकें।

आधुनिक सुविधाओं से लैस है विमान- करीब 236 करोड़ रुपए के चैलेंजर 3500 एक सुपर मिड-साइज जेट है, जिसमें नौ यात्रियों के बैठने की क्षमता है। इसकी केबिन ऊंचाई लगभग 6 फीट और चौड़ाई 7 फीट 2 इंच है। यह विमान करीब 459 नॉट्स यानी 850 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से उड़ान भर सकता है और लगभग 6,297 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकता है। इसके अलावा, यह 45,000 फीट की ऊंचाई तक उड़ान भरने में सक्षम है और कम लंबाई वाले रनवे (करीब 1,474 मीटर) से भी उड़ान भर सकता है। विमानन विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय शुक्ला ने बताया कि जून-जुलाई 2026 में डिलीवरी का समय है।

राज्य सरकार का करीब 170 करोड़ का अत्याधुनिक ‖160 हेलीकॉप्टर जनवरी 2027 तक बेड़े में शामिल हो जाएगा। यह हेलीकॉप्टर फ्रांस की प्रमुख एयरोस्पेस कंपनी एयरबस हेलीकॉप्टर द्वारा निर्मित है। बताया जा रहा है कि भारत में फिलहाल इस मॉडल के केवल 5 से 6 हेलीकॉप्टर ही संचालित हो रहे हैं।

विमानन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, ‖160 हेलीकॉप्टर अत्याधुनिक तकनीक से लैस है और हर मौसम में उड़ान भरने के साथ-साथ रात में भी संचालन करने में सक्षम है। इस हेलीकॉप्टर की खासियत इसकी अल्ट्रा-क्वाइट यानी बेहद कम शोर वाली तकनीक है। इसमें अत्याधुनिक जेट इंजन, पूरी तरह वॉयस कंट्रोल्ड कॉकपिट, एडवांस एवियोनिक्स सिस्टम और बेहतर सुरक्षा के लिए बाई-प्लेन स्टेबलाइजर दिया गया है।

20 हजार फीट की ऊंचाई और 890 किमी की रेंज- ‖160 हेलीकॉप्टर की प्रमुख खूबियां में यह है कि यह 20 हजार फीट की अधिकमत ऊंचाई तक उड़ान भर सकता है। इसकी रेंज 890 किमी हैं। इसके एक साथ आठ यात्री बैठ सकते है। हेलीकॉप्टर का इंटीरियर लग्जरी और सुविधा को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

2002 में खरीदा था पुराना विमान

सुपर किंग बी-200- यह विमान राज्य शासन ने वर्ष 2002 में रेथ्यॉन एयरक्राफ्ट कंपनी से 23 करोड़(47,56,804 अमेरिकन डॉलर) में खरीदा था। यह सात सीटर है। ये 3000 हजार घंटे उड़ान कर चुका है। 2021 के दौरान ग्वालियर एयरपोर्ट पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। न तो उसकी मरम्मत कराई गई और न ही अब तक नया विमान खरीदा जा सका है। स्थिति यह है कि सरकार के पास फिलहाल संचालन योग्य कोई फिक्स्ड-विंग विमान नहीं है और हेलिकॉप्टरों की संख्या भी जरूरत के मुकाबले कम है।

प्रदेश में किराए पर भारी भरकम राशि खर्च

विधानसभा में पेश जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश सरकार का हवाई यात्रा खर्च लगातार बढ़ रहा है। हाल के कुछ वर्षों में किराये के विमान और हेलिकॉप्टरों पर खर्च औसतन 20 से 21 लाख रुपए प्रतिदिन तक पहुंच गया है। यह जानकारी विधानसभा में पूछे गए सवाल के जवाब में विधानसभा में दी गई। आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी 2021 से नवंबर 2025 के बीच सरकार ने निजी विमान और हेलिकॉप्टर किराये पर लेने के लिए करीब 290 करोड़ रुपए खर्च किए। इनमें सिर्फ 2025 के पहले 11 महीनों में ही 90.7 करोड़ रुपए खर्च हुए, जो अब तक का सबसे अधिक वार्षिक खर्च है। सरकार ने बताया कि जनवरी 2024 से नवंबर 2025 के बीच लगभग दो वर्षों में 143 करोड़ रुपए खर्च हुए, जो औसतन 6.2 करोड़ रुपए प्रति माह है।

जलवायु संकट और वैज्ञानिक चेतना

दो ब्रह्मांड की अनंत गहराइयों में पृथ्वी एकमात्र ऐसा ज्ञात ग्रह है जहां जीवन का अंकुर प्रस्फुटित हुआ। लगभग 4.5 अरब वर्षों के भूवैज्ञानिक इतिहास में पृथ्वी ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं, लेकिन वर्तमान समय में यह जिस दौर से गुजर रही है, उसे वैज्ञानिक 'मानव- प्रभावित युग' (एंथ्रोपोसीन) कहते हैं। यह वह कालखंड है जहां पृथ्वी के पारिस्थितिक तंत्र और भू-गर्भीय परिवर्तनों का सबसे बड़ा कारण कोई प्राकृतिक घटना नहीं, बल्कि मानवीय गतिविधियां हैं। पृथ्वी दिवस केवल वृक्षारोपण का एक वार्षिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह उन वैज्ञानिक तथ्यों का विश्लेषण करने का दिन है जो हमारे अस्तित्व पर मंडराते खतरे की ओर इशारा कर रहे हैं।

'स्टॉकहोम लचीलापन केंद्र' के वैज्ञानिकों ने 'ग्रहों की सीमाओं' की एक रूपरेखा तैयार की है, जो नौ ऐसी सीमाओं को परिभाषित करती है जिनके भीतर मानवता सुरक्षित रूप से विकास कर सकती है। शोध बताते हैं कि हम पहले ही छह सीमाओं को पार कर चुके हैं। इनमें जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता की हानि, और नाइट्रोजन एवं फास्फोरस चक्रों का असंतुलन प्रमुख हैं। जब हम इन सीमाओं को लांघते हैं, तो पृथ्वी का स्वनियमन तंत्र विफल होने लगता है। उदाहरण के तौर पर, आर्कटिक की बर्फ का पिघलना केवल समुद्र का जलस्तर नहीं बढ़ाता, बल्कि 'परावर्तन प्रभाव' (अल्बेडो इफेक्ट) भी कम करता है। सफेद बर्फ सूरज की किरणों को वापस अंतरिक्ष में भेज देती है, लेकिन जब वह पिघलती है, तो गहरा समुद्र ऊष्मा को सोखने लगता है, जिससे वैश्विक तापन की गति और तेज हो जाती है। यह एक आत्म-विनाशकारी चक्र है।जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल की रिपोर्ट के अनुसार, यदि वैश्विक तापमान औद्योगिक क्रांति से पूर्व के स्तर से 1.5 डिग्री से. अधिक बढ़ जाता है, तो इसके परिणाम अपरिवर्तनीय होंगे। वर्तमान में हम लगभग1.1 डिग्री से. से 1.2 डिग्री से. की वृद्धि देख चुके हैं। वैज्ञानिक शोधों के अनुसार, वायुमंडल में कार्बनडाइऑक्साइड की सघनता अब 420 पीपीएम (अंश प्रति दस लाख) तक पहुंच गई है। यह पिछले 30 लाख वर्षोंमें सर्वाधिक है।शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि हम 'जलवायु के चरम बिंदुओं' (टिपिंग पॉइंट्स) के बेहद करीब हैं। इसका अर्थ है कि एक बार जब अमेजन के जंगल नष्ट हो गए या ग्रीनलैंड की बर्फ की चादर पूरी तरह पिघल गई, तो फिर कोई भी तकनीक इसे वापस पहले जैसा नहीं कर पाएगी। यह केवल गर्मी बढ़ने का मामला नहीं है, बल्कि यह पूरी वैश्विक मौसम प्रणाली के ढहने का संकेत है।

बीमा को आम भारतीय के जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाए बगैर विकास की दौड़ अधूरी

डॉ. सत्यवान सौरभ
स्तंभकार

भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है। ऊंची विकास दर, डिजिटल क्रांति, बढ़ती आय और वैश्विक मंच पर मजबूत होती स्थिति- ये सब संकेत देते हैं कि देश आर्थिक रूप से आगे बढ़ रहा है। लेकिन इस चमकदार तस्वीर के पीछे एक सच्चाई ऐसी भी है, जो अक्सर नजरों से ओझल रह जाती है- भारत का आम नागरिक अब भी आर्थिक सुरक्षा के सबसे बुनियादी साधन यानी बीमा से दूर है। विडंबना यह है कि जिस देश में अनिश्चितताओं की भरमार है- बीमारी, दुर्घटना, प्राकृतिक आपदाएं, रोजगार की अस्थिरता- वहीं बीमा को अब भी अतिरिक्त खर्च समझा जाता है, न कि जरूरी सुरक्षा कवच।

भारत में बीमा कवरेज की स्थिति संतोषजनक नहीं है। बीमा घनत्व और पैठ दोनों वैश्विक औसत से नीचे हैं। ग्रामीण भारत, जो देश की बड़ी आबादी का प्रतिनिधित्व करता है, वहां बीमा की पहुंच बेहद सीमित है। जीवन बीमा के कुछ प्रसार के बावजूद स्वास्थ्य, फसल और संपत्ति बीमा की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। सवाल यह उठता है कि आखिर ऐसा क्यों है कि विकास की रफ्तार के साथ बीमा का दायरा नहीं बढ़ पा रहा? इसका पहला और सबसे बड़ा कारण है- जागरूकता की कमी। देश के बड़े हिस्से को आज भी यह समझ नहीं है कि बीमा आखिर है क्या और यह उनके जीवन में किस तरह सुरक्षा प्रदान कर सकता है। गांवों में तो बीमा को अक्सर ठगी या धोखे के रूप में देखा जाता है। एजेंटों द्वारा गलत जानकारी देना, पॉलिसी की शर्तों को स्पष्ट न करना और क्लेम के समय होने वाली परेशानियां लोगों के मन में अविश्वास पैदा करती हैं। परिणामस्वरूप, लोग बीमा से दूरी बनाए रखना बेहतर समझते हैं।

दूसरा बड़ा कारण है, आर्थिक प्राथमिकताएं। जब किसी परिवार की आय सीमित हो और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना ही चुनौती हो, तब बीमा जैसी चीज उनके लिए प्राथमिकता में नहीं आती। आम भारतीय के लिए पहले भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास की जरूरतें हैं; बीमा उसके बाद आता है। यह सोच गलत नहीं है लेकिन यह भी सच है कि एक छोटी-सी दुर्घटना या बीमारी पूरे परिवार की आर्थिक स्थिति को हिला सकती है और यही वह जगह है जहां बीमा की जरूरत सबसे ज्यादा होती है। तीसरा कारण है, बीमा उत्पादों की जटिलता। बीमा कंपनियों द्वारा पेश किए जाने वाले उत्पाद आम लोगों की समझ से परे होते हैं। लंबी-चौड़ी शर्तें, तकनीकी भाषा और अस्पष्ट लाभ- ये सब मिलकर बीमा को एक कठिन और उलझा हुआ उत्पाद बना देते हैं। एक साधारण व्यक्ति के लिए यह समझना मुश्किल होता है कि कौन-सी पॉलिसी उसके लिए सही है। इस जटिलता का फायदा कई बार एजेंट उठाते हैं और ग्राहक को ऐसी पॉलिसी बेच दी जाती है, जो उसकी जरूरतों के अनुकूल नहीं होती।

इसके साथ ही, दावा निपटान की प्रक्रिया भी बीमा से आमजनों की दूरी का एक बड़ा कारण है। अक्सर सुनने को मिलता है कि क्लेम के समय कंपनियां तकनीकी कारणों का हवाला देकर दावे खारिज कर देती हैं या प्रक्रिया को इतना लंबा कर देती हैं कि ग्राहक थक हार कर पीछे हट जाता है। इस तरह के अनुभव समाज में तेजी से फैलते हैं और लोगों के मन में धारणा बन जाती है कि बीमा केवल पैसे वसूलने का माध्यम है, न कि संकट के समय सहायता का। वितरण प्रणाली की कमजोरी भी अहम कारण है। बीमा अब भी बड़े पैमाने पर एजेंट आधारित मॉडल पर निर्भर है, जिसकी पहुंच सीमित है। ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में एजेंटों की कमी है और जहां हैं भी, वहां उनकी प्राथमिकता कमीशन कमाना होता है, न कि ग्राहक को सही सलाह देना। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के आने से स्थिति में कुछ सुधार जरूर हुआ है लेकिन डिजिटल साक्षरता की कमी के कारण इसका लाभ हर वर्ग तक नहीं पहुंच पा रहा।

इन सबके बीच सामाजिक और सांस्कृतिक कारक भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। भारतीय समाज में अक्सर भविष्य की अनिश्चितताओं को 'भगवान की मर्जी' मान लिया जाता है। जोखिम प्रबंधन की सोच अभी भी व्यापक नहीं हो पाई है। लोग यह मानते हैं कि बुरा वक्त आएगा तो किसी न किसी तरह संभाल लिया जाएगा- पर यह सोच कई बार भारी पड़ जाती है। हालांकि, हाल के वर्षों में सरकार ने बीमा को बढ़ावा देने के लिए कई पहलें की हैं। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने गरीब और निम्न आय वर्ग को बीमा के दायरे में लाने की कोशिश की है। इन योजनाओं ने यह साबित किया है कि यदि बीमा सस्ता, सरल और सुलभ हो तो लोग इसे अपनाने के लिए तैयार हैं। लेकिन इन योजनाओं का दायरा अभी भी सीमित है और व्यापक स्तर पर बदलाव लाने के लिए और अधिक प्रयासों की आवश्यकता है। हाल ही में पारित 'बीमा कानून संशोधन विधेयक, 2025' इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। विशेष रूप से प्रबंध महाधिवक्ता (एमजीए) की अवधारणा बीमा क्षेत्र में नई संभावनाएं खोल सकती है। एमजीए स्थानीय स्तर पर काम करते हुए बीमा उत्पादों को अधिक प्रासंगिक और सुलभ बना सकते हैं। इससे वितरण प्रणाली मजबूत होगी, उत्पादों में नवाचार आएगा और दावा निपटान की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बन सकती है। यदि इसे सही ढंग से लागू किया गया तो यह बीमा क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव ला सकता है। केवल नीतिगत सुधार पर्याप्त नहीं हैं। असली चुनौती इन सुधारों को जमीन पर उतारने की है। इसके लिए सबसे पहले बीमा को उत्पाद नहीं, बल्कि अधिकार के रूप में स्थापित करना होगा। जैसे शिक्षा और स्वास्थ्य को मौलिक जरूरत माना जाता है, वैसे ही बीमा को भी सामाजिक सुरक्षा के एक अनिवार्य हिस्से के रूप में स्वीकार करना होगा। जागरूकता अभियान इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। स्कूलों और कॉलेजों में वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देना, मीडिया के माध्यम से सरल भाषा में बीमा की जानकारी देना और स्थानीय स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम चलाना जरूरी है। इसके साथ ही, बीमा उत्पादों को सरल और पारदर्शी बनाना होगा, ताकि आम व्यक्ति बिना किसी भ्रम के सही निर्णय ले सके। नियामक संस्थाओं की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि बीमा कंपनियां ग्राहकों के हितों को प्राथमिकता दें, दावा निपटान की प्रक्रिया को सरल और समयबद्ध बनाएं और किसी भी प्रकार के दुरुपयोग पर सख्त कार्रवाई करें। डिजिटल तकनीक का उपयोग इस दिशा में सहायक हो सकता है, लेकिन इसके साथ डेटा सुरक्षा और गोपनीयता का ध्यान रखना भी उतना ही जरूरी है। अंततः, यह समझना होगा कि बीमा केवल एक वित्तीय उत्पाद नहीं, बल्कि एक सामाजिक सुरक्षा तंत्र है। यह उस भरोसे का नाम है, जो व्यक्ति को अनिश्चितताओं के बीच भी स्थिर रहने की शक्ति देता है। जब तक यह भरोसा मजबूत नहीं होगा, तब तक बीमा का दायरा सीमित ही रहेगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

बौद्धिक प्रदूषण और नशे के खिलाफ लड़ाई पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, एक सामाजित युद्ध

सनमुखदास भावनानी
स्तंभकार

वैश्विक स्तरपर 21वीं सदी मानव सभ्यता को तकनीक, विज्ञान, स्वास्थ्य, पर्यावरण और शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व ऊँचाइयों तक ले जा रही है, लेकिन इसी प्रगति के समानांतर दुनियाँ दो ऐसी अदृश्य और बढ़ती चुनौतियों से जूझ रही है, जिनका प्रभाव कहीं अधिक व्यापक, गहरा और दीर्घकालिक स्तरपर भविष्य के निर्माता युवाओं पर पड़ रहा है है, वो है बौद्धिक प्रदूषण और नशा जिसके खिलाफ़ समाज की सामूहिक जिम्मेदारी बन गई है।

पर्यावरणीय प्रदूषण के समाधान की दिशा में वैश्विक तंत्र,कानून, विज्ञान और तकनीक सतत सुधार के साथ आगे बढ़ रहे हैं। हवा, पानी, प्लास्टिक, कचरा, औद्योगिक उत्सर्जन और कार्बन फुटप्रिंट को नियंत्रित करने के लिए नीतियाँ, शोध, संस्थान और संसाधन मौजूद हैं, लेकिन बौद्धिक प्रदूषण और नशे के विरुद्ध सामाजिक उत्तरदायित्व उतनी तेजी और सटीकता से नहीं बन पा रहा है। जब प्रश्न मानव चेतना, विचार, मूल्य और मानसिकता के प्रदूषण का हो,तो समाधान पारंपरिक नहीं रह जाता, बल्कि वह नैतिक, बौद्धिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक हस्तक्षेपों पर आधारित हो जाता है। यही कारण है कि बौद्धिक प्रदूषण किसी भी सभ्यता को भीतर से कमजोर करने वाला सबसे खतरनाक अदृश्य स्मॉग बन चुका है, जिसकी तुलना किसी भी भौतिक प्रदूषण से नहीं की जा सकती।इसी प्रकार नशा आज केवल स्वास्थ्य का संकट नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, सुरक्षा, जनसंख्या, परिवार, शिक्षा, अपराध, मानव संसाधन और राष्ट्रीय विकास से जुड़ेबहुआयामी संकट का रूप ले चुका है। यह सोचना कि नशाखोरी रोकना केवल पुलिस, कानून या दंड व्यवस्था की जिम्मेदारी है, एक गलत और सीमित दृष्टिकोण है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार नशे के बढ़ते मामलों में 70 प्रतिशत जड़ें सामाजिक व्यवहार, वातावरण,परिवार, सांस्कृतिक प्रभाव और मानसिक तनाव से जुड़ी होती हैं, जबकि कानून केवल अंतिम चरण में हस्तक्षेप करता है। इसलिए नशे के खिलाफ लड़ाई वास्तव में समाज,परिवार शिक्षा तंत्र, स्वास्थ्य संस्थान, मीडिया, धार्मिक-सांस्कृतिक समुदायों और शासन प्रणाली इन सभी का संयुक्त युद्ध है।

बौद्धिक प्रदूषण एक अदृश्य खतरा और वैश्विक संकट है इसको समझने की करें तो बौद्धिक प्रदूषण को सरल शब्दों में परिभाषित किया जाए तो यह वह स्थिति है जब मनुष्य की सोच, समझ, विवेक, निर्णय-क्षमता और नैतिक चेतना गलत,भ्रमित, पक्षपातपूर्ण उग्र, हिंसक, असत्य या दुष्प्रभावित विचारों से प्रभावित हो जाती है। यह प्रदूषण किसी फैक्ट्री के धुएँ या वाहन के धुएँ की तरह दिखाई नहीं देता, लेकिन इसका नुकसान किसी भी वायु प्रदूषण से बड़ा हो सकता है, क्योंकि यह व्यक्ति को विचारों, धारणाओं और सूचनाओं के भ्रमजाल में फँसा कर उसकी तार्किक क्षमता और सामाजिक चेतना को नष्ट कर देता है। फेक न्यूज, नफरत आधारित प्रचार, कट्टर राष्ट्रवाद, उग्रवाद, नस्लीय विभाजन, षड्यंत्र,धार्मिक उन्माद, डिजिटल हेरफेर, गलत सूचना, दुष्प्रचार, हेट स्पीच और सोशल मीडिया एल्गोरिद्म के माध्यम से फैलने वाला भ्रम,आज दुनियाँ भर के देशों में बौद्धिक प्रदूषण के मुख्य स्रोत बन चुके हैं।तकनीक और ज्ञान की उपलब्धता जितनी तेज़ी से बढ़ी है, उतनी ही तेजी से मानव मन की ग्रहणशीलता पर अनियंत्रित सूचनाओं का बोझ बढ़ा है। इंटरनेट ने सूचना को लोकतांत्रिक बनाया, लेकिन उसी ने अज्ञान को भी संस्थागत रूप दे दिया। अब सत्य और असत्य में फर्क करना एक आम नागरिक के लिए पहले से कहीं अधिक कठिन हो गया है। यह बौद्धिक धुंध न केवल व्यक्ति के विवेक को प्रभावित करती है, बल्कि लोकतंत्र, सामाजिक सद्भाव, शिक्षा, वैज्ञानिक सोच और मानवीय मूल्यों को भी कमजोर करती है। इतिहास गवाह है कि सभ्यताएँ बाहरी हमलों से कम, आंतरिक भ्रम, विभाजन, गलत विचारधारा और मानसिकप्रदूषण से अधिक टूटती हैं। इसी कारण बौद्धिक प्रदूषण मानवता के लिए एक साइलेंट ग्लोबल पैंडेमिक बनकर उभरा है। सवाल है कि क्या बौद्धिक प्रदूषण का समाधान संभव है इसको समझने की करें तो, भौतिक प्रदूषण के समाधान स्पष्ट हैं, फिल्टर, रिसाइक्लिंग प्रतिबंध, तकनीक, कानून और स्वच्छ ऊर्जा। लेकिन बौद्धिक प्रदूषण का समाधान विज्ञान नहीं, बल्कि चेतना, शिक्षा, नैतिकता, संवाद, मीडिया जिम्मेदारी और सामाजिक संरचना के सुधार में निहित है। यह प्रदूषण तब पनपता है जब समाज तर्क की जगह अंधानुकरण को अपनाता है,जब शिक्षा ज्ञान की जगह अंकों पर आधारित हो जाती है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

फील - गुड

तनाव घटाने और सकारात्मक अप्रोच के लिए कारगर है अपनी पसंद का संगीत सुनना

आजकल लोगों की जिंदगी में स्ट्रेस बहुत ज्यादा हो गया है। प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ की परेशानियां लोगों के लिए मुसीबत बन रही हैं। अक्सर लोग स्ट्रेस से निपटने के तरीके ढूंढते हैं। कई लोग इसके लिए चाय का सहारा लेते हैं, तो कुछ लोग सिगरेट या शराब पीते हैं।

अगर आपसे कहा जाए स्ट्रेस भगाने का एक ऐसा भी तरीका है, जिसमें आपका एक रुपया भी खर्च नहीं होगा, तो शायद आप यकीन नहीं करेंगे। हालांकि यह बात सच है कि आप म्यूजिक सुनकर फ्री में तनाव से राहत पा सकते हैं। रोज संगीत सुनने की आदत न सिर्फ मूड को बेहतर बनाती है, बल्कि शरीर और दिमाग दोनों पर सकारात्मक असर डालती है। रोज म्यूजिक सुनने से आपको कई गजब के फायदे मिल सकते हैं। वेबएमडी की रिपोर्ट के अनुसार म्यूजिक सुनने से स्ट्रेस और एंजायटी कम हो जाती है। जब आप अपना पसंदीदा संगीत सुनते हैं, तो दिमाग में फील-गुड हार्मोन रिलीज होते हैं, जिससे तनाव कम होता है। संगीत सुनने से शरीर में कोर्टिसोल हार्मोन का स्तर घट सकता है, जिससे मन शांत और रिलैक्स महसूस करता है। अगर आपको रात में नींद आने में दिक्कत होती है, तो सोने से पहले हल्का और धीमा संगीत

सुनना फायदेमंद हो सकता है। यह दिमाग को शांत करता है और शरीर को रिलैक्स करके बेहतर नींद लाने में मदद करता है। रोज म्यूजिक सुनने से आपकी नींद में काफी सुधार हो सकता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि म्यूजिक आपके फोकस और एकाग्रता में भी बढ़ोतरी कर सकता है। पढ़ाई या काम के दौरान हल्का इंस्ट्रुमेंटल म्यूजिक सुनने से ध्यान भटकता नहीं और काम पर फोकस बढ़ता है। यही कारण है कि कई लोग काम करते समय बैकग्राउंड म्यूजिक सुनना पसंद करते हैं। आप अपने मूड को बेहतर बनाना चाहते हैं, तो फेवरिट म्यूजिक सुनना शुरू कर दें। जब आप उदास या थके हुए होते हैं, तो आपका पसंदीदा गाना तुरंत आपका मूड बदल सकता है। संगीत भावनाओं को व्यक्त करने और सकारात्मक सोच विकसित करने में मदद करता है। इससे आपके दिमाग में नेगेटिव विचार नहीं आते हैं। म्यूजिक सुनने से दिल की सेहत पर पॉजिटिव असर पड़ता है। कुछ रिसर्च के अनुसार धीमा और सुकून देने वाला संगीत ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने और हार्ट रेट को स्थिर रखने में मदद कर सकता है। इससे दिल पर पड़ने वाला दबाव कम होता है और ओवर ऑल हार्ट हेल्थ बेहतर होती है। कई अन्य बीमारियों में भी म्यूजिक थेरेपी को फायदेमंद माना गया है। हेल्थ एक्सपर्ट्स भी मानते हैं रोजाना कुछ देर म्यूजिक सुनना एक सरल लेकिन बेहद असरदार आदत है। यह न सिर्फ मानसिक सुकून देता है, बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाने में मदद करता है।

निशाना

दिक्क़त वाले दिन..!

दिनेश प्रभात गीतकार

आओ ढूँढें इस धरती पर, प्यार -
मुहब्बत वाले दिन
मुसीबतों वाली घड़ियों में, साथ
मशक्कत वाले दिन
ढोलक बजती थी सलीम की,
हारमोनियम जमना का
मौन हो गए झाँझ - मँजीरे, गायब
गम्मत वाले दिन
बारिश के पहले बाबूजी, छप्पर ठीक
किया करते
कितने अच्छे थे कच्चे घर, और
मरम्मत वाले दिन
ऊँचे बँगले, मँहगी कारें, रोज - रोज
छापे का डर
सूखी रोटी खाकर गुज़रे, अपने इज्ज़त
वाले दिन
साथ तुम्हारा मिल जाए तो, फिर दुनिया
की फ़िक्र नहीं
जल्दी - जल्दी कट जाएंगे, सारे
दिक्कत वाले दिन
आँखें उसकी भी सूजी थी, धूँ-धूँ कर
जब चिता जली
लाल हुए थे हम भी रो-रो, अक्सर
मय्यत वाले दिन
इनसे डर है, उनसे डर है, जिधर
देखिये डर ही डर
कोरोना ने तोड़ दिए हैं, सारे हिम्मत
वाले दिन

यूज़र्स गाइड

मेट्रो टिकट बुकिंग के बाद अब जल्द ही वॉट्सऐप पर मिलेगी मोबाइल फोन रिचार्ज की सुविधा

वॉट्सऐप पर बड़ी सुविधा का ऐलान किया गया है। लोग वॉट्सऐप से प्रीपेड मोबाइल रिचार्ज करा सकेंगे। आइकन पर क्लिक करते ही उन्हें यह सुविधा मिलेगी। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार, अगले कुछ सप्ताह में सभी यूजर्स को यह सुविधा मिलने लगेगी।

अभी तक लोगों को ऑनलाइन मोबाइल रिचार्ज कराने के लिए पेटीएम या अन्य यूपीआई ऐप्स के अलावा मोबाइल कंपनियों के ऐप अपने फोन में रखने पड़ते हैं, लेकिन अब वॉट्सऐप पर इस सुविधा का ऐलान कर दिया गया है।

वॉट्सऐप पर प्रीपेड मोबाइल रिचार्ज की सुविधा एंड्रॉयड और आईओएस दोनों फोन्स में दी जाएगी। भारत में सभी यूजर्स इसे अगले कुछ सप्ताह में इस्तेमाल कर पाएंगे।

वॉट्सऐप की तरफ से मिलने जा रही यह प्रमुख सुविधा धीरे-धीरे सभी भारतीय यूजर्स को मिलने लगेगी। मनी कंट्रोल की एक रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले हफ्तों में एंड्रॉयड और आईओएस यानी ऐपल यूजर भी अपने मोबाइल पर वॉट्सऐप की मदद से मोबाइल रिचार्ज करा पाएंगे। यह सुविधा लोगों के लिए बहुत कारगर होगी। उन्हें अन्य ऐप्स पर नहीं जाना पड़ेगा। अपने फोन में वॉट्सऐप ओपन करें। होम स्क्रीन में दिखाई देने वाले आइकन पर क्लिक करें। उसके बाद आपको मोबाइल प्रीपेड रिचार्ज सिलेक्ट करना होगा। आपको मोबाइल नंबर चुनना होगा। अपने अलावा, फैमिली और फ्रेंड्स का नंबर भी चुन सकते हैं। अपने पसंद का मोबाइल रिचार्ज ब्राउज करें। पेमेंट मेथड का चुनाव करें। आप यूपीआई, डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड से पेमेंट कर सकते हैं। सभी डिटेल्स को रिव्यू करने के बाद कन्फर्म करके पेमेंट पूरा करें।

मेटा के मालिकाना हक वाला वॉट्सऐप अब सिर्फ मैसेजिंग तक सीमित नहीं है। अभी वॉट्सऐप के जरिए मेट्रो की टिकट बुक कराई जा सकती हैं। क्यूआरकोड को स्कैन करके पेमेंट किया जा सकता है। किसी मोबाइल नंबर या बैंक अकाउंट की जानकारी पाकर उन पर भी पेमेंट किया जा सकता है। मोबाइल रिचार्ज की सुविधा जुड़ जाने के बाद वॉट्सऐप लोगों के लिए और भी उपयोगी बन जाएगा। रिपोर्टों के अनुसार, इस सुविधा का इस्तेमाल करके जियो, एयरटेल और वोडा-आइडिया यूजर्स प्रीपेड मोबाइल रिचार्ज करा सकेंगे। वह विभिन्न प्लान्स को देख पाएंगे। कुछ ही स्टेप्स में पेमेंट की सुविधा मिलेगी।

नॉलेज

हमेशा के लिए नक्शे से मिट रहा वेनिस ! कैसे और कहां शिफ्ट किया जाएगा पूरा का पूरा शहर?

वेनिस अपनी खूबसूरती और नहरों के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। इटली का यह ऐतिहासिक शहर अब एक बड़े खतरे का सामना कर रहा है। समुद्र का बढ़ता जलस्तर वेनिस के वजूद को खत्म करने पर तुला है। एक नई साइंटिफिक रिपोर्ट ने पूरी दुनिया को चौंका दिया है। अगर हालात नहीं सुधरे तो वेनिस को पूरी तरह से किसी दूसरी सुरक्षित जगह पर शिफ्ट करना पड़ सकता है। यह खबर उन लाखों लोगों के लिए परेशान करने वाली है जो इस शहर की विरासत से प्यार करते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ सलेंटो के प्रोफेसर पिएरो लियोनेलो की टीम ने इस पर रिसर्च की है। उन्होंने अगले 200 सालों के समुद्री जलस्तर का डेटा एनालिसिस किया है। रिसर्च बताती है कि पानी जिस रफ्तार से बढ़ रहा है, उससे मौजूदा डिफेंस सिस्टम फेल हो जाएगा।

वेनिस की सुरक्षा के लिए फिलहाल मूवेबल बैरियर लगाए गए हैं। ये बैरियर समुद्री लैगून के तीन प्रवेश द्वारों पर तैनात रहते हैं, लेकिन क्लाइमेट चेंज की वजह से ये रक्षा दीवारें छोटी पड़ती जा रही हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि जब समुद्र का स्तर 4 फीट से ज्यादा बढ़ेगा, तब ये बैरियर काम नहीं करेंगे। इसके बाद बहुत ही कम और कठिन विकल्प बचेंगे। शहर को बचाना है या उसकी पुरानी पहचान को, यह एक बड़ा सवाल बन गया है। समुद्र के साथ वेनिस की यह लड़ाई अब नाजुक मोड़ पर पहुंच गई है।

अगर समुद्र का स्तर 15 फीट से ज्यादा बढ़ जाता है, तो हालात काबू से बाहर हो जाएंगे। ऐसी स्थिति में रिसर्च में 'रिट्रीट' यानी पीछे हटने का सुझाव दिया गया है। यह कोई काल्पनिक बात नहीं है बल्कि एक कड़वी सच्चाई हो सकती है। तब शायद वेनिस के ऐतिहासिक स्मारकों को एक-एक करके उखाड़ना पड़ेगा और उन्हें मुख्य भूमि के अंदर सुरक्षित जगह ले जाना होगा। पूरे शहर के हिस्सों को छोड़ना पड़ सकता है। वेनिस को बचाने की इस जंग में पैसा, इंजीनियरिंग और जनता की सहमति, सब कुछ जरूरी है। लेकिन सबसे कठिन फैसला यह होगा कि बचाने के लिए हम क्या खोने को तैयार है। क्या हम पुरानी इमारतों के लिए प्रकृति को छोड़ देंगे या नई सुरक्षा के लिए इतिहास को साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित यह स्टडी बताती है कि वेनिस के पास अब सोचने के लिए बहुत कम वक्त बचा है। हमें यह तय करना होगा कि आने वाली पीढ़ियां वेनिस को मैप पर देखेंगी या सिर्फ इतिहास की किताबों में।

न्यूज विंडो

नेता प्रतिपक्ष सहित कांग्रेस के अनेक राष्ट्रीय नेताओं का लगा जमावड़ा

सिरोंज। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार कांग्रेस के साथ ही अनेक राष्ट्रीय और प्रदेश स्तरीय नेताओं का मंगलवार को देर रात तक सिरोंज में जमावड़ा रहा। उमंग सिंघार मंगलवार रात में भोपाल मार्ग से होते हुए सिरोंज आए थे। यहां पर क्षेत्र के कांग्रेस नेताओं ने उनका स्वागत किया। सिंघार सीधे प्रदेश कांग्रेस सचिव विनोद सेन के बेटे वरूण सेन के विवाह समारोह में पहुंचे। यहां कांग्रेस के राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर सुनील पंवार, गुड्डू राजा बुंदेला, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के रमेश कुमार मौर्य तथा डॉक्टर नीरज देसाई सहित अनेक नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे। सभी ने आपस में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान जिला और स्थानीय संगठन ने प्रदेश और राष्ट्रीय नेताओं को अपनी गतिविधियों से भी अवगत कराया।

जिला स्तरीय मॉनिटरिंग समिति गठित, राहुल सिंह सोलंकी सदस्य नियुक्त

नर्मदापुरम। लोक शिक्षण संचालनालय ने शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से नर्मदापुरम जिले में जिला स्तरीय मॉनिटरिंग समिति का गठन किया है। इस समिति में पूर्व मंडल अध्यक्ष राहुल सिंह सोलंकी को सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है। संचालक लोक शिक्षण प्रमोद सिंह ने 16 अप्रैल 2026 को जारी आदेश के तहत समिति का गठन किया। समिति का मुख्य लक्ष्य सांदीपनि, पीएमश्री, उत्कृष्ट एवं मॉडल स्कूलों की प्रभावी मॉनिटरिंग करना है। जिला कलेक्टर समिति के अध्यक्ष होंगे। यह समिति जिले के सभी पीएमश्री, उत्कृष्ट, मॉडल और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की निगरानी करेगी। साथ ही, इन स्कूलों के लिए कार्ययोजना तैयार कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करेगी।

नपाध्यक्ष ने नर्मदा पूजन कर जल को स्वच्छ रखने किया आह्वान

नर्मदापुरम। गंगा सप्तमी पर नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा मां नर्मदा के विवेकानंद घाट पहुंचकर मां नर्मदा की पूजा अर्चना की गई। इस दौरान उन्होंने घाटों का निरीक्षण किया और नपा की स्वच्छता टीम को घाटों पर त्यौहारों के पूर्व विशेष स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने विवेकानंद घाट पर स्नान कर रहे श्रद्धालुओं से अपील की कि मां नर्मदा के जल को स्वच्छ रखने के लिए नहाते समय साबुन शैंपू का इस्तेमाल न करें। स्वच्छ जलधारा में किसी भी प्रकार का कचरा न डालें। घाटों पर फूलमालाओं और हवन सामग्री के लिए अगल से डस्टबीन रखी गई है उसमें ही डालें। पन्नी पालिथिन का उपयोग कतई न करें यह नगर के साथ ही घाटों पर पूर्णतः प्रतिबंधित है।

गेहूं उपार्जन केंद्र पर फसल रिजेक्ट करने से नाराज किसानों ने किया चक्काजाम

मंडला। जिले के नैनपुर में गेहूं उपार्जन केंद्र पर फसल रिजेक्ट करने से नाराज किसानों ने ग्राम निवारी में मंडला-सिवनी मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। किसानों का आरोप है कि सर्वेयर द्वारा बार-बार गेहूं को रिजेक्ट किया जा रहा था और केंद्रों पर तुलाई कार्य बंद था। इस प्रदर्शन के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और करीब तीन घंटे तक आवागमन पूरी तरह ठप रहा।

शादियों का दौर थमते ही कृषि उपज मंडी में फिर आवक का जोर

पुरानी मंडी का धर्मकांटा बंद, बेगमबाग के कांटे पर दिनभर रहा तौल का दबाव

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

शादियों का दौर थमते ही कृषि उपज मंडी में एक बार फिर आवक का जोर बढ़ गया है। आवक के इस जोर के बीच गत दिवस पुरानी मंडी में लगा धर्मकांटा खराब हो गया। जिसके चलते उपज की तौल का दबाव बेगमबाग में लगे कांटे पर आ गया। जिसके चलते किसानों और व्यापारियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। चार दिन के अवकाश के बाद मंगलवार को कृषि उपज मंडी खुली थी। इस बीच दो दिन शादियों का जोर अधिक होने के कारण मंडी की आवक 10 से 11 हजार क्विंटल तक ही सीमित थी। गुरूवार को एक बार फिर मंडी में आवक बढ़ गई। सुबह नीलामी के बाद किसान उपज की तौल के लिए पुरानी मंडी में स्थापित नवीन धर्मकांटे पर पहुंचे। इसी दौरान पता चला कि धर्मकांटे पर 20 किलो तोल अधिक हो रही है और इससे व्यापारियों को नुकसान हो रहा है। स्थिति को देखते हुए धर्मकांटा संचालक ने तुरंत ही कांटे पर तौल की प्रक्रिया रोक दी। इसका असर यह हुआ कि उपज की तौल का सारा दबाव बेगमबाग स्थित धर्मकांटे पर ही आ गया। इस कारण इस धर्मकांटे पर दोपहर से देर शाम तक किसानों की टेऊक्टर-ट्रालियों की लंबी कतार लगी रही। जिसके चलते किसानों और व्यापारियों को देर तक मंडी में मौजूद रहना पड़ा।

ज्यादा आवक होने के कारण नया बस स्टैंड और मंडी बायपास पर टेऊक्टर-ट्रालियों की लंबी कतारें लगी दिखाई दी। इस कतार के कारण इन सड़कों का आवागमन भी प्रभावित हुआ। सबसे ज्यादा दिक्कत स्कूली बच्चों को उठाना पड़ी। नया बस स्टैंड पर ही निर्मला कान्वेंट हासे स्कूल है। स्कूल की छुट्टी के समय बड़ी संख्या में बच्चों की भीड़ बस स्टैंड पर पहुंचते हैं। इन बच्चों को टेऊक्टर-ट्रालियों के कारण खासी परेशानी का सामना करना पड़ता है। तेज धूप में होने वाली यह परेशानी कई बार बड़ी दिक्कत पैदा करती है।

किसानों को मिले सभी उपजों के औसत भाव

जोरदार आवक के बीच किसानों को उनकी उपज के औसत भाव ही मिले। इन दिनों मंडी में सबसे ज्यादा आवक गेहूं की हो रही है। मीडियम वैरायटी का गेहूं 2100 से शुरू होकर ऊंचे में 2600 रूपए क्विंटल तक बिक रहा है। इसके अलावा शरबती गेहूं ऊंचे में 5 हजार रूपए क्विंटल तक बिक रहा है। मंडी में चने और मसूर की आवक उम्मीद से कम हो रही है। चना जहां 5400 से 5500 रूपए क्विंटल तक बिक रहा है तो मसूर ऊंचे में समर्थन मूल्य 7 हजार रूपए क्विंटल से भी ज्यादा भाव पर बिक रही है। इसके अलावा मंडी में सरसो, सोयाबीन,मक्का और बटरी की आवक भी हो रही है।

जिम्मेदारों को नहीं दिखाई दे रहा

टेढ़ा होकर सड़क के बीच में पहुंचा बिजली का खम्भा

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

जब-तब बिजली कटौती करने वाली बिजली कंपनी के जिम्मेदारों को सड़क पर लटकने वाले बिजली के तार और खम्भे दिखाई नहीं दे रहे। तस्वीर में दिखाई दे रहा बिजली का यह खम्भा वार्ड 20 में बिल्वेष्वर महादेव मंदिर से सटकर निकली मुक्तिधाम की ओर जाने वाली सड़क पर लगा हुआ है। सड़क किनारे लगा यह खम्भा इतना अधिक टेड़ा हो गया है कि बीच सड़क पर पहुंच गया है। इस पर लगे तार झूलते दिखाई दे रहे हैं। इस सड़क से बड़े वाहनों का आवागमन भी होता है। इस कारण हर समय दुर्घटना की आषंका बनी रहती है। रहवासियों ने कई बार बिजली महकमे को टेड़े हो इस खम्भे की जानकारी दी लेकिन कंपनी के अफसर को यह दिखाई नहीं दे रहा। ऐसा लग रहा है कि वे किसी दुर्घटना का इंतजार कर रहे हैं।

नगरपालिका में सीएमओ ने की जनसुनवाई

आवास योजना के आवेदन आए, नाली निर्माण और पेयजल की समस्या का किया निराकरण

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जनसुनवाई के माध्यम से जहां नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो रहा है वहीं नपा के अधिकारी कर्मचारी भी सक्रिय हो जाते हैं। आज नगरपालिका में मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले द्वारा जनसुनवाई की गई। जिसमें नागरिकों की समस्याओं का समाधान किया गया। साथ ही सभी शाखाओं को सख्त निर्देश दिए गए कि जनसुनवाई में आने वाले आवेदनों पर समयसीमा में कार्रवाई की जाए।

कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर प्रति गुरूवार को नागरिकों की समस्याओं का समाधान करने जनसुनवाई की शुरूआत की गई है। गुरूवार को जनसुनवाई में पीएम आवास योजना के तहत सूची में नाम जुड़वाने के आवेदन आए। जिस पर सीएमओ श्रीमती पटले द्वारा संबंधित शाखा को सर्वे कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा नाली निर्माण, स्वच्छता, पेयजल संबंधी आवेदन आए थे। सीएमओ श्रीमती पटले ने सुनवाई करते हुए अधिकांश समस्याओं का तत्काल निराकरण कराया। आज जनसुनवाई में उपयंत्री रीना गुप्ता, आयुषी रिछारिया, दीक्षा तिवारी सहित नपा के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

नपाध्यक्ष श्रीमती यादव ने बताया कि लोक कल्याण हेतु नपा में प्रति गुरूवार को जनसुनवाई की शुरूआत की गई है। नागरिकों में जागरूकता आ रही है और लोग अपनी समस्याओं का समाधान कराने जनसुनवाई में पहुंच रहे हैं। नपा के अधिकारी कर्मचारी को जनसुनवाई में आने वाले आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

कंसुली में असामाजिक तत्वों ने महापुरुषों की प्रतिमाओं को तोड़ा

***बालाघाट।** बालाघाट जिले के लांजी थाना क्षेत्र के कंसुली गांव में असामाजिक तत्वों ने महापुरुषों की प्रतिमाओं को तोड़ दिया। इस घटना के बाद अनुयायियों में आक्रोश है। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों को जैसे ही इस बात की सूचना मिली लोगों में खासा आक्रोश है।*

एंबुलेंस थी पंक्चर, इलाज में देरी, गर्भवती की गई जान

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

छिंदवाड़ा के तामिया ब्लॉक में एम्बुलेंस के देर से पहुंचने के कारण गर्भवती महिला की जान चली गई। मामला टॉपरवानी गांव का है, जहां एक गर्भवती महिला शारदा उइके पति देवी सिंह उइके को प्रसव पीड़ा शुरू हुई। परिजनों ने तत्काल जननी 108 एम्बुलेंस को कॉल किया, लेकिन उन्हें बताया गया कि चावलपानी में एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं है। दरअसल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने एम्बुलेंस पंचर हालत में खड़ी थी।स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर चावलपानी में खड़ी जननी एक्सप्रेस (एम्बुलेंस) समय पर ठीक होती और मौके पर पहुंचती, तो महिला की जान बच सकती थी।

चार्ज जनगणना अधिकारी एवं सीएमओ ने किया जनगणना प्रशिक्षण का निरीक्षण, दिए निर्देश

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

आईटीआई औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में चल रहे जनगणना संबंधित प्रशिक्षण का आज चार्ज जनगणना अधिकारी एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले द्वारा निरीक्षण किय गया। इस अवसर पर उन्होंने प्रशिक्षण व्यवस्था का जायजा लिया तथा उपस्थित प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों से चर्चा कर उन्हें जनगणना संबंधी टिप्स दिए गए। सीएमओ एवं चार्ज जनगणना अधिकारी श्रीमती पटले द्वारा सभी को निर्देशित किया कि जनगणना कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, अतः इसे पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं समय-सीमा के भीतर संपादित किया जाए। निरीक्षण के दौरान प्रशिक्षण में दी जा रही जानकारी, उपस्थिति एवं व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया गया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त चार्ज जनगणना अधिकारी कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी, लिपिक सुनील राठौर आदि उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर | किसानों के सम्मान में युवा कांग्रेस मैदान में

सत्याग्रह के बाद गांव-गांव होगी चौपाल: यश

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

किसानों की समस्याओं और अधिकारों को लेकर युवा कांग्रेस द्वारा चलाया जा रहा किसान न्याय सत्याग्रह मंगलवार को दसवें दिन भी पूरे जोश और उत्साह के साथ जारी रहा। सत्याग्रह में युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष यश गंगोरिया, प्रदेश प्रभारी शिवी चौहान एवं प्रदेश उपाध्यक्ष गीता कड़वे विशेष रूप से शामिल हुए और कार्यकर्ताओं में जोश भरा। प्रदेश अध्यक्ष यश गंगोरिया ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि युवा कांग्रेस किसानों की लड़ाई तब तक जारी रखेगी, जब तक उन्हें न्याय नहीं मिल जाता। उन्होंने कहा कि सत्याग्रह के समापन के बाद पदयात्रा निकाली जाएगी और गांव-गांव चौपाल लगाकर किसानों को जागरूक किया जाएगा तथा सरकार के खिलाफ आंदोलन तेज किया जाएगा।

प्रदेश प्रभारी शिवी चौहान ने पंजाब और हरियाणा के किसान आंदोलनों का उदाहरण देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश के किसानों को भी अपने हक के लिए एकजुट होना होगा। जब तक किसान संगठित होकर सरकार से नहीं लड़ेंगे, तब तक उनका शोषण होता रहेगा। प्रदेश उपाध्यक्ष गीता कड़वे ने कृषि क्षेत्र में महिलाओं की अहम भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि किसानों की इस लड़ाई में महिलाओं को बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए, ताकि उनकी आवाज भी मजबूती से सरकार तक पहुंच सके। युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष आकाश शर्मा ने संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि शीर्ष नेतृत्व द्वारा दी गई हर जिम्मेदारी का ईमानदारी से पालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आगामी आदेश तक यह सत्याग्रह इसी प्रकार निरंतर जारी रहेगा। सत्याग्रह में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मोहित रघुवंशी, पूर्व विधायक निशंक जैन, सुधीर उपाध्याय, बाबू पिंगली, राजेश महेश्वरी, विकास शर्मा, संतोष शर्मा, अमित दुबे 'पट्टू', जगदीश सुहाने, राहुल ठाकुर, पृथ्वी सिंह, मनी अहिरवार, प्रकाश मिश्रा, अदनान भाई, आबिद हुसैन, जिनेश जैन, सुजीत देवरिया, जगदीश व्यास, बंटी गुर्जर, दीक्षा लोधी, सीमा अहिरवार, जफर शेख, अन्नू कासिम, गोविंद भार्गव, घनश्याम शर्मा, तोरण सिंह रघुवंशी सहित बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस एवं वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

MALAVIYA NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY JAIPUR
Jawahar Lal Nehru Marg, Jaipur 302017
Admission to Ph.D. & Masters Degree Programmes 2026-27

F.4/A-I-I/2026-27/Acad/Ph.D./01

Online Applications are invited for admission to **Ph.D. and M.Tech./M.Plan. (Sponsored (Full Time/Part Time) & Full Time Self-Finaced)** in all the Departments/Centres for Odd Semester 2026-27 (July2026). For more information visit **www.mnit.ac.in.** The last date for submission of online application is 07th May 2025.

REGISTRAR
cbc21312/11/0003/2627

न्यूज विंडो

सीवियर एनीमिक महिला को रक्त देकर सीबीएमओ ने बचाई जान

तेंदूखेड़ा। नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 21 अप्रैल को एक महिला श्रीमती लक्ष्मी पति किशन गौड ग्राम खंगोरिया कला निवासी प्रसव पश्चात दोपहर में आशा एवं आशा सहयोगी की मदद से भर्ती कराया गया। 22 अप्रैल को लैब में रक्त की जांच की गई जिसमें महिला का एचबी 4.9 आया तब 23 अप्रैल को सीबीएमओ डॉक्टर अशोक बड़ोनिया के द्वारा गंभीरता दिखाते हुए महिला की जान बचाने के लिए स्वयं ही रक्तदान किया। महिला को रक्त चढ़ाया गया जिससे महिला गंभीर खतरे से बाहर हो गई। डां बडोनिया ने बताया कि गर्भावस्था के दौरान पहले जांच में एचबी 10 ग्राम था तथा चारों जांच पूर्ण की गई जिसमें एचबी लगभग 10 ग्राम के आसपास ही रहा। प्रसव पश्चात जांच करने के बाद पता चला महिला सीवियर एनीमिक है सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा में एक यूनिट रक्त चढ़ाने के बाद अस्पताल में भर्ती है अब पूर्ण रूप से स्वस्थ है, खतरे से बाहर है। महिला की जानकारी लेने स्वास्थ्य केंद्र एसडीएम सीजी गोस्वामी पहुंचे साथ ही उन्हीं के सामने महिला को बल्ड चढाया गया महिला के स्वास्थ्य की जानकारी लेने के पश्चात एसडीएम ने अपनी संतुष्टि व्यक्त की। स्टोर प्रभारी दिनेश अवस्थी ने बताया कि स्वास्थ्य केंद्र में ब्लड यूनिट बैंक की स्थापना हो चुकी हैं अब से किसी भी जरूरत मंद को बल्ड के लिए इधर उधर नहीं भटकना पडेगा नगर के स्वास्थ्य केंद्र में ही व्यवस्था हैं। आगामी जो भी रक्तदान शिविर का आयोजन होंगा उसका स्टोरेज स्वास्थ्य केंद्र में रहेगा।

वार्षिक कैम्प में आयोजित हुआ प्रमोशन सेरेमनी कार्यक्रम

सागर. राष्ट्रीय कैडेट कोर रक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार आज 11 MP बटालियन द्वारा NCC आफिसर्स के प्रमोशन पत्र के आधार पर प्रमोशन सेरेमनी का आयोजन किया गया द्य जिसमे 8 एवं 15 वर्ष की सेवा पूर्ण कर चुके आफिसर्स को बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल दुष्यंत शर्मा 33 एम पी बटालियन, सूबेदार मेजर राज कुमार द्वारा रैंक लगाकर प्रमोटेड किया गया द्य प्रमोशन प्राप्त करने बाले अधिकारियो मे सांदीपनी विद्यालय हटा के पी एन खेमरिया,आर्मी स्कूल सागर से धर्मेश भाई,बंडा से राजेश राजपूत को जूनियर डिवीजन की सर्वोच्च रैंक चीफ ऑफिसर (मेजर) अशोक चक्र लगा कर सम्मानित किया गया द्य इसी क्रम में रहली से मुकेश पचोरी राहतगढ़ से कीर्तिमान शुक्ला, खुरई से लखन पटेल, इमानुयल सागर से आशीष नेमा, डी एम ए सागर से हरिकांत तिवारी, केंद्रीय विद्यालय सागर से केके पाण्डेय, सेंट जोसफ स्कूल से संदीप,वंदना,केंद्रीय विद्यालय ढाना से रोहित सिंह, नवोदय विद्यालय खुरई से अरविन्द रजक को अगली रैंक से प्रमोट किया गया द्य इस अवसर पर सूबेदार देवेंद्र सिंह,सूबेदार सुरजीत सिंह, लेफ्टिनेट जय नारायण यादव,शालिनी जैन, दुर्गा लोधी एवं समस्त बटालियन परिवार और कैडेट्स उपस्थित रहे ।अंत में चीफ ऑफिसर एस एस राजपूत ने आर्मी अधिकारियों का आभार व्यक्त किया

जिम्मेदार मौन, शहडोल संभाग में अवैध कॉलोनियों का जाल

शहडोल। संभाग में अवैध कॉलोनियों और कॉलोनियों का अनियंत्रित विस्तार अब प्रशासनिक विफलता की बड़ी मिसाल बनता जा रहा है। पिछले एक साल से अधिकारी केवल बैठकों, बैठकों और सख्त निर्देशों तक सीमित हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। संभागीय कमिश्नर सुरेश गुप्ता द्वारा बार-बार कार्रवाई के आदेश दिए गए, लेकिन आज तक अवैध निर्माणों पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। मार्च 2025 में कमिश्नर ने सभी नगरीय निकायों को स्पष्ट आदेश दिया था कि अवैध कॉलोनियों का सर्वे कर विस्तृत रिपोर्ट पेश की जाए और उनके निर्माणों को तत्काल रोकने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को चेताया गया था कि लापरवाही पर सख्त कार्रवाई होगी। इसके बावजूद न तो रिपोर्ट समय पर आई और न ही सर्वे की प्रक्रिया पूरी हुई। जून 2025 में हुई समीक्षा बैठक में भी यही स्थिति सामने आई। अधिकारियों ने रिपोर्ट न मिलने पर नाराजगी जताई गई और समय-सीमा तय की गई, लेकिन परिणाम शून्य रहा। अब एक साल बीत चुका है, फिर भी अवैध कॉलोनियों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहडोल में अवैध कॉलोनियों का धंधा चल रहा है। नगरों में अवैध निर्माण खुलेआम हो रहे हैं और प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। कॉलोनियों के नाम पर प्लॉट काटकर बेचे जा रहे हैं, लेकिन न तो अनुमति ली जाती है और न ही जरूरी सुविधाओं का ध्यान रखा जाता है। अवैध निर्माणों के चलते शहरों में अव्यवस्थित विकास हो रहा है।

भागवत कथा के प्रथम दिन नगर में निकाली कलश यात्रा

तेंदूखेड़ा। नगर के आरूष किड्स स्कूल में आयोजित श्रीमदभागवत कथा के प्रथम दिन गुरूवार को नगर में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। भागवत कथा का आयोजन सीता सोनी परिवार के द्वारा कराया जा रहा हैं। कलश यात्रा में सबसे आगे युवा अश्व पर ध्वज लेकर बैठे थे। महिलाएं पीले वस्त्रों में घट सिर पर रखकर चल रही थी। नगर परिषद के द्वारा मार्ग में पानी डलवाया जिससे भक्तों को सडक गर्म न लगे। इसके अलावा बग्गियों में राधे कृष्ण की मनमोहक झांकी के साथ कथा वाचक पंडित प्रेमनारायण शास्त्री विराजमान थे। शोभायात्रा आरूष स्कूल से तारादेही तिराहा, राम मंदिर, ज्वाला मंदिर, खकरिया मार्ग से होते हुए वापिस कथा स्थल पहुंची साथ ही महापुराण भागवत कथा का वेद व्यास गद्दी पर विधी विधान से स्थापना की गई एवं प्रथम दिवस पर पंडित प्रेमनाराण शास्त्री ने महात्मा चर्चा भागवत कथा सुनाई साथ ही राधे राधे के मधुर भजनों पर संपूर्ण श्रोता झूम उठे।

ग्राम केशरपुरा में फोरलेन के किनारे स्थित कचरा फैक्ट्री की घटना

पराली की आग से धू-धूकर जली फैक्ट्री, फोरलेन पर मचा हड़कंप

नीमच। दोपहर मेट्रो

जिले में गत दिवस खेत में जलाई पराली के कारण बड़ा हादसा हो गया। जिले के जावद स्तिथ ग्राम केशरपुरा में फोरलेन के किनारे स्थित 'माधव एनर्जी' कचरा फैक्ट्री (वेस्ट प्लांट) में भीषण आग लग गई। इस अग्निकांड का मुख्य कारण खेतों में जलाई जा रही पराली बनी। जानकारी के अनुसार, फैक्ट्री के ठीक पीछे स्थित एक खेत में किसानों द्वारा पराली जलाई जा रही थी। हवा के तेज झोंकों के कारण वहां से उठी एक छोटी सी चिंगारी उड़कर सीधे कचरा प्लांट तक पहुंच गई।

प्लांट परिसर में भारी मात्रा में ज्वलनशील पॉलीथिन और अन्य अपशिष्ट पदार्थ (कचरा) डंप था, जिसके कारण उस एक चिंगारी ने पलक झपकते ही विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी फैक्ट्री धू-धू कर जलने लगी। आग की लपटें और काले धुएं का गुबार इतना विशाल था कि इसे कई किलोमीटर दूर से देखा जा सकता था। जावद एसडीएम प्रीति संघवी ने भी शुरुआती तौर पर इस बात की पुष्टि की है कि आग किसानों द्वारा फैक्ट्री के पीछे जलाई जा रही पराली की चिंगारी से ही भड़की और बाहर पड़े कचरे तक पहुंच गई। आग ने कुछ ही देर में इतना भयानक रूप ले लिया कि फोरलेन और आसपास के इलाके में भारी हड़कंप मच गया और कुछ समय के लिए फोरलेन का ट्रैफिक भी बाधित हो गया। सूचना मिलते ही नगर पालिका नीमच, नगर परिषद नयागांव, जावद और विक्रम सीमेंट की दमकल गाड़ियां (फायर टेंडर्स) तत्काल मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास शुरू किए गए। आग की भयावहता को देखते हुए दमकल के साथ-साथ ग्रामीणों ने भी अदम्य साहस दिखाते हुए मोर्चा संभाल लिया। ग्रामीणों ने आग बुझाने के इस अभियान में अपनी जेसीबी, ट्रैक्टर व पानी के टैंकर लगाकर प्रशासन की भरपूर मदद की। गनीमत यह रही कि इस बड़े हादसे में किसी प्रकार की जनहानि की कोई सूचना नहीं है, लेकिन फैक्ट्री में रखा लाखों रुपये का कचरा और कच्चा माल जलकर पूरी तरह खाक हो गया।

फैक्ट्री में पड़ा था प्लास्टिक कचरा, भीषण हुई आग

पराली से भड़की इस भीषण आगजनी ने कचरा प्लांट में औद्योगिक सुरक्षा मानकों की भी पोल खोलकर रख दी है। जयपुर निवासी दीपक शर्मा के स्वामित्व वाली इस 'माधव एनर्जी' फैक्ट्री में इतने बड़े पैमाने पर ज्वलनशील कचरे का भंडारण होने के बावजूद अग्निशमन के उपाय न के बराबर पाए गए। मौके पर न तो पानी की कोई फायर लाइन बिछी मिली और न ही आग बुझाने के अन्य पुख्ता इंतजाम नजर आए। ग्राम केशरपुरा निवासी भगत जाट सहित अन्य ग्रामीणों ने रोष जताते हुए बताया कि फैक्ट्री का फोरलेन से बिल्कुल सटा होना और सुरक्षा मानकों का 'जीरो' होना एक बड़े खतरे को निमंत्रण दे रहा है।

ग्रामीणों ने की फैक्ट्री हटाने की मांग

यहां से दिन-रात मालवाहक ट्रकों और ज्वलनशील पदार्थों से भरे वाहनों की आवाजाही लगी रहती है, जिससे आग गुजरने वाले वाहनों तक पहुंचने का गंभीर खतरा बन गया था। ग्रामीणों ने प्रशासन से आमजन की सुरक्षा के मद्देनजर इस फैक्ट्री को तत्काल यहां से हटाने की पुरजोर मांग की है। वहीं, इतनी बड़ी घोर लापरवाही और ग्रामीणों की मांग को लेकर जब जावद एसडीएम प्रीति संघवी से दूरभाष पर विस्तृत चर्चा कर उनका पक्ष जानना चाहा, तो उन्होंने फोन उठाना तक मुनासिब नहीं समझा। फिलहाल राहत और बचाव कार्य के बाद स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन पराली जलाने की लापरवाही और फैक्ट्री की सुरक्षा खामियों ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जलभराव से राहत दिलाना ननि की प्राथमिकता :महापौर

सागर। दोपहर मेट्रो

शहर के व्यस्ततम क्षेत्र शिवाजी नगर वार्ड में विगत 3 वर्षो से बारिस के दौरान जलभराव की स्थिति निर्मित हो जाने से इस क्षेत्र के रहवासी बहुत ज्यादा परेशान होते थे, महापौर संगीता तिवारी ने इस जलभराव की समस्या के स्थाई निदान के लिए पक्का नाला निर्माण कराने का निर्णय लिया। गुरुवार को शिवाजी नगर वार्ड स्थित द्वारका बिहार चौराहा के पास जल निकासी व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए बनाए जा रहे नाला निर्माण कार्य का महापौर तिवारी ने एमआईसी सदस्यों, पार्षदों एवं अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महापौर ने कहा कि नागरिकों को जलभराव जैसी समस्या से राहत दिलाना नगर निगम की प्राथमिकता है। नाला निर्माण कार्य पूर्ण होने से वर्षा ऋतु में क्षेत्रवासियों को जल निकासी की बेहतर सुविधा मिलेगी तथा आवागमन में भी सुगमता आएगी। महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण किया जाए, ताकि लोगों को आवागमन में कोई परेशानी न हो । इस अवसर पर महापौर प्रतिनिधि डॉ. सुशील तिवारी,एम आई सी सदस्य शैलेन्द्र ठाकुर, धमेंद्र खटीक, राजकुमार पटेल, पार्षद प्रतिनिधि नरेश यादव, शैलेष जैन, पार्षद हेमंत यादव, श्रीमती रुबी कृष्ण कुमार पटेल, भाजपा प्रदेश पैनलिस्ट रिशांक तिवारी,उपयंत्री दिनकर शर्मा, आयुष शुक्ला, शशांक रावत सहित स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

अवैध वसूली और अवैध 'अवसान' का आरोप

अनूपपुर। जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार जिले के दो निजी अस्पतालों में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाया जा रहा है। आरोप है कि यहां मरीजों से 10,000 से लेकर 50,000 रुपये तक की भारी रकम लेकर अवैध रूप से अवसान (गर्भपात/भ्रूण गिराना) कराया जा रहा है—यानी बच्चा पूरा विकसित होने से पहले ही उसे गिरा दिया जाता है। सूत्रों के मुताबिक 5,000 से 25,000 रुपये लेकर लिंग परीक्षण भी किया जा रहा है, जो कि भारत में सख्ती से प्रतिबंधित है। यह पूरा मामला कानून और मानवता—दोनों के खिलाफ गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पूरा खेल खुलेआम चल रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभाग अब तक कार्रवाई नहीं कर पाया है।

मनावर में कुत्ते का आतंक : 3 घंटे में 26 लोगों और 3 मवेशियों पर किया हमला

धार। दोपहर मेट्रो

मनावर में गुरुवार सुबह आवारा श्वान ने महज तीन घंटों के भीतर 26 लोगों और 3 पशुओं को अपना शिकार बना लिया। श्वान केहमले से धार रोड से लेकर अंबिका कॉलोनी तक अफरा-तफरी का माहौल रहा। हमले में 14 घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बड़वानी जिला अस्पताल रेफर किया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक सुबह करीब 8 बजे धार रोड क्षेत्र में एक लाल रंग का श?वान अचानक हिंसक हो उठा और रास्ते से गुजरने वाले हर व्यक्ति पर हमला करने लगा। सुबह 11 बजे तक घायलों की संख्या 26 तक पहुँच गई। स्थिति इतनी भयावह थी कि लोग अपनी जान बचाने के लिए सड़कों से भागकर नजदीकी दुकानों और घरों में छिप गए।

घटना के बाद सिविल अस्पताल में घायलों का भीड लग गई। दोपहर 12 बजे तक अस्पताल का इंजेक्शन कक्ष मरीजों और उनके परिजनों से भर गया। ड्यूटी डॉक्टर लखनसिंह जमरा और इंजेक्शन कक्ष प्रभारी श्वेता चौहान ने बताया कि घायलों में 5 वर्ष के बच्चों से लेकर 45 वर्ष तक के वयस्क शामिल हैं। गंभीर रूप से घायल 14 लोगों को उपचार के लिए बड़वानी रेफर किया गया है। डॉक्टरों ने बताया कि संक्रमण के जोखिम को देखते हुए गंभीर मरीजों को एंटी-रेबीज वैक्सीन के साथ इम्युनोग्लोब्युलिन इंजेक्शन भी लगाए गए हैं। सीएमओ संतोष चौहान ने जानकारी बताया कि श्वान को पकड़ने के लिए 10 कर्मचारियों की एक विशेष टीम गठित की गई है। टीम धार रोड, अंबिका कॉलोनी और आसपास के इलाकों में हमलावर श्वान की तलाश कर रही है।

पुरानी रंजिश के चलते डंडे और पत्थरों से हमला कर उतारा मौत के घाट

पिता ने बेटों और पोतों के साथ मिलकर की अपने सगे बेटे की बेरहमी से हत्या

सागर। दोपहर मेट्रो

गेंहू के बंटवारे को लेकर परिवार में खूनी संघर्ष हो गया। पिता ने अपने बड़े बेटे, भाई और भतीजे ने मिलकर डंडे और पत्थरों से मारपीट कर दी. गंभीर रूप से घायल बड़े बेटे की मौत हो गई। घटना थाना सानोधा अंतर्गत ग्राम पामाखेड़ी की है। पुलिस के अनुसार पिता ने अपने ही पुत्र की हत्या की साजिश रची और अपने अन्य परिजनों के साथ मिलकर उसे अंजाम दिया। सानोधा पुलिस ने मामले की कार्रवाई कर सभी आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है।

गत 19 अप्रैल की शाम करीब 4:30 बजे आरोपी पिता हिरदे अहिरवार का अपने पुत्र हल्ले अहिरवार से पुरानी बुराई सहित गेंहू के बंटवारे को लेकर विवाद हुआ था। आवेश में आकर पिता ने अपने दूसरे बेटे पप्पू और नातियों को हल्ले को जान से खत्म करने के लिए उकसाया। पिता के कहने पर आरोपी पप्पू उर्फ शिवराम, संदेश अहिरवार और एक नाबालिग ने मिलकर हल्ले पर डंडों और पत्थरों से प्राण घातक हमला कर दिया। बीच-बचाव करने आई मृतक की पत्नी सीमा के साथ भी मारपीट की गई। गंभीर रूप से घायल हल्ले को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक विकास कुमार शाहवाल के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेश कुमार सिन्हा व एसडीओपी रहली प्रकाश मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सानोधा भरत सिंह ठाकुर ने टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की। एफएसएल टीम की उपस्थिति में घटनास्थल का निरीक्षण कर खून आलूदा मिट्टी जप्त की गई।

गिरफ्तार आरोपी

हिरदे पिता स्व. थोवन अहिरवार (74 वर्ष), मुख्य साजिशकर्ता (पिता), पप्पू उर्फ शिवराम अहिरवार (45 वर्ष), भाई), संदेश पिता पप्पू अहिरवार (22 वर्ष) - (भतीजा), एक विधि विरुद्ध बालक (16 वर्ष) - (पुलिस अभिरक्षा में), सभी निवासी ग्राम पामाखेड़ी, जिला सागर निवासी हैं।

मेट्रो एंकर

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आदिवासी कांग्रेस की ली बैठक

जल-जंगल-जमीन' के लिए पूरी ताकत से लड़ने का किया आह्वान

धार। दोपहर मेट्रो

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दिल्ली स्थित इंदिरा भवन में आदिवासी कांग्रेस के जिला अध्यक्षों और ग्रेट निकोबार के प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान उन्होंने मोदी सरकार पर आदिवासियों के 'जल-जंगल-जमीन' छीनने और उन पर अत्याचार बढ़ाने का आरोप लगाया। गांधी ने जनजातीय अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करने का संकल्प दोहराया।

बैठक में मध्य प्रदेश आदिवासी कांग्रेस के महासचिव सुनील स्टार चौहान (मनावर) ने बताया कि मुख्य चर्चा आदिवासियों के अधिकारों पर केंद्रित रही। राहुल गांधी ने आदिवासी समुदाय की पहचान और उनके अधिकारों पर जोर दिया, साथ ही उन्हें 'वनवासी' कहे जाने की आलोचना की। ग्रेट निकोबार के प्रतिनिधियों ने परियोजनाओं के कारण भूमि के नुकसान और पानी, सड़क, शिक्षा जैसे विकास के अभाव पर चिंता व्यक्त की। गांधी ने संगठन को मजबूत करने और आदिवासी समाज को इससे जोड़ने का मंत्र दिया। यह बैठक आदिवासी कांग्रेस विभाग द्वारा आयोजित की गई थी, जिसमें देशभर से बड़ी संख्या में जिला अध्यक्ष, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में आदिवासी समाज के अधिकारों, संगठन की मजबूती और आगामी रणनीति को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। महासचिव सुनील स्टार चौहान ने गुरुवार को बताया कि उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर आदिवासी समाज के हक और अधिकारों की रक्षा के लिए निर्णायक संघर्ष करने तथा संगठन को गांव-गांव और बूथ स्तर तक मजबूत बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया, मध्य प्रदेश आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रामू टेकाम और प्रदेश उपाध्यक्ष पांचीलाल मेडा सहित कई वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों ने राहुल गांधी को तीर-कमान और आदिवासी वेशभूषा भेंट की।

आईपीएल 2026: आज आमने-सामने होंगे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस

बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे आरसीबी और जीटी

बेंगलुरु , एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस की टीम शक्रवार को यहां जब आईपीएल के मैच में आमने-सामने होगी तो उनका लक्ष्य बल्लेबाजी में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। चिन्नास्वामी की थोड़ी चिपचिपी पिच पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में आरसीबी के बल्लेबाज नहीं चल पाए थे जिससे उसकी टीम को छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। आरसीबी की यह इस सत्र में दूसरी हार थी जिससे उसने शीर्ष चार में अपनी स्थिति मजबूत करने का मौका गंवा दिया था। वह अब अंक तालिका में आठ अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। उसके बाद सनराइजर्स हैदराबाद 8 अंक, दिल्ली कैपिटल्स और टाइटंस 6-6 अंक का नंबर आता है। आरसीबी अब चिन्नास्वामी स्टेडियम में जीत हासिल करके अपने प्रशंसकों को शानदार विदाई देना चाहेगा लेकिन इसके लिए उसके बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी बड़ा स्कोर बनाने का तरीका ढूंढना होगा।

आरसीबीको खोजने होंगे वैकल्पिक तरीके

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ फिल साल्ट को छोड़कर कोई भी अन्य बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया था। कप्तान रजत पाटीदार और टिम डेविड जैसे छक्के जड़ने में माहिर बल्लेबाजों को भी रन बनाने के वैकल्पिक तरीके खोजने पड़े, हालांकि उन्हें इसमें बहुत अधिक सफलता नहीं मिली। इसलिए आरसीबी के बल्लेबाजों को एक प्लान बी तैयार रखना चाहिए, क्योंकि इसकी कोई गारंटी नहीं है कि उनका आक्रामक खेल हर समय कारगर साबित होगा।

इसी तरह से गुजरात टाइटंस भी अपने बल्लेबाजों के प्रदर्शन से चिंतित है। कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर ने कुछ हद तक निरंतरता दिखाई है, लेकिन बी साई सुदर्शन, ग्लेन फिलिप्स और राहुल तेवतिया जैसे खिलाड़ी अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। गुजरात टाइटंस के पास प्रसिद्ध कृष्णा, कागिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और राशिद खान जैसे अच्छे गेंदबाज हैं लेकिन उन्हें बल्लेबाजों से पर्याप्त सहयोग नहीं मिल पा रहा है।

स्टार्क को खेलने के लिए हरी झंडी

सिडनी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने मिचेल स्टार्क को आईपीएल में खेलने की अनुमति दे दी है और उम्मीद है कि यह तेज गेंदबाज दिल्ली कैपिटल्स के एक मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले मैच के लिए उपलब्ध रहेगा। कोहनी और कंधे में चोट के कारण बाएं हाथ के तेज गेंदबाज स्टार्क जनवरी से कोई मैच नहीं खेल पाए हैं। उन्होंने एशेज के पांचों टेस्ट मैचों में अहम भूमिका निभाई। उन्हें इस श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। इसके बाद उन्होंने सिडनी सिक्सर्स के लिए बिग बैश लीग के पांच मैच भी खेले थे। उम्मीद है कि स्टार्क भारत में अब कड़ा अभ्यास करेंगे। वह दिल्ली के राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ एक मई को होने वाले मैच में खेलने की राह पर हैं, जो उनका आईपीएल के वर्तमान सत्र में अपना पहला मैच होगा। इस बीच ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस भी सनराइजर्स हैदराबाद के लिए इस सत्र में अपना पहला मैच खेलने के लिए तैयार हैं।

राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज बर्गर पर जुर्माना

लखनऊ। राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज नांद्रे बर्गर पर लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच के दौरान आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए उनकी मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इस 30 वर्षीय खिलाड़ी के खाते में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है। बर्गर को आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया, जो मैच में किसी अन्य खिलाड़ी से अपमानजनक या आक्रामक अंदाज वाली भाषा का उपयोग, प्रतिक्रिया या इशारा करने से संबंधित है। इस बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने अपराध स्वीकार कर लिया।

सीएसके ने एमआई को थमाई आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी हार

बल्लेबाजों पर भड़के कप्तान हार्दिक पंड्या, पिच और परिस्थितियों के दोष से भी किया इनकार

मुंबई , एजेंसी

चेन्नई सुपर किंग्स ने मुंबई इंडियंस को 103 रन से हराकर आईपीएल इतिहास में उनकी सबसे बड़ी हार थमा दी। वानखेड़े स्टेडियम में गुरुवार (23 अप्रैल) खेले गए इस मुकाबले में चेन्नई ने हर विभाग में मुंबई को पूरी तरह मात दी। भारत के टी20 वर्ल्ड कप विजेता स्टार संजू सैमसन ने शानदार वापसी करते हुए नाबाद 101 रन बनाए। यह उनका आईपीएल करियर का पांचवां शतक और चेन्नई के लिए चार पारियों में दूसरा शतक रहा। उनकी 54 गेंदों की पारी में 10 चौके और 6 छक्के शामिल रहे। पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स ने 20 ओवर में 207/6 का मजबूत स्कोर खड़ा किया। सैमसन ने एक छोर संभाले रखा, जबकि दूसरे छोर पर लगातार विकेट गिरते रहे। ऋतुराज गायकवाड़ (22) और डेवाल्ड ब्रेविस (21) ने अहम योगदान दिया। मुंबई के लिए अश्विनी कुमार और अल्लाह गजनफर ने दो-दो विकेट लिए, जबकि जसप्रीत बुमराह ने किफायती गेंदबाजी करते हुए 1/31 का आंकड़ा दर्ज किया। रनचेज में मुंबई इंडियंस की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही। अंततः पूरी टीम 19 ओवर में 104 रन पर सिमट गई। मुंबई के लिए तिलक वर्मा (37) और सूर्यकुमार यादव (35) ही दोहरे अंक में पहुंच सके, लेकिन वे टीम को हार से नहीं बचा सके। चेन्नई की ओर से गेंदबाजी में अकील हुसैन ने 4/17 के शानदार आंकड़े दर्ज किए, जो इस सीजन में उनका तीसरा मैच था। वहीं नूर अहमद ने 2/23 लेकर उनका बखूबी साथ निभाया। दोनों स्पिनरों की जोड़ी ने मुंबई की बल्लेबाजी को पूरी तरह जकड़ लिया। यह जीत चेन्नई सुपर किंग्स के लिए बेहद अहम रही, क्योंकि टीम पिछला मुकाबला सनराइजर्स हैदरबाद के खिलाफ हार गई थी और इस मैच के साथ उन्होंने जोरदार वापसी की।

सैमसन की तारीफ, अपनी टीम पर सवाल: कप्तान का खुला बयान

मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मिली करारी हार के बाद साफ तौर पर अपनी टीम की बल्लेबाजी, खासकर पावरप्ले को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने किसी भी तरह की पिच या परिस्थितियों को दोष देने से इनकार कर दिया। हार्दिक ने मैच के बाद कहा कि शुरुआती ओवरों में विकेट गंवाना टीम के लिए सबसे बड़ा झटका साबित हुआ। उनके मुताबिक-पावरप्ले में जल्दी विकेट गिरने के बाद आप हमेशा मैच में पीछे हो जाते हैं। हम उस दबाव से उबर नहीं सके। पिच को लेकर सवाल पर उन्होंने साफ कहा कि ट्रैक में कोई बदलाव नहीं था और चेन्नई ने उसी विकेट पर बेहतर बल्लेबाजी की। उन्होंने माना कि 207 रन का स्कोर बड़ा था और उसे हासिल करने के लिए टीम को मजबूत शुरुआत की जरूरत थी, जो नहीं मिल सकी। स्पिनरों के प्रदर्शन पर बात करते हुए हार्दिक ने कहा कि उनके गेंदबाजों ने भी अच्छा किया, लेकिन संजू सैमसन की पारी ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। उन्होंने यह भी माना कि चेन्नई के बाकी बल्लेबाजों ने छोटे-छोटे योगदान देकर स्कोर को और मजबूत बना दिया।

गायकवाड़ ने जीत मुकेश चौधरी को समर्पित की

दूसरी ओर, चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने इस जीत को मुकेश चौधरी को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि टीम का हर खिलाड़ी उनके लिए खेलना चाहता था और यही टीम की ऊर्जा का बड़ा कारण बना। गायकवाड़ ने यह भी खुलासा किया कि उनकी और सैमसन की शुरुआत से ही बल्लेबाजी करने की सोच थी, क्योंकि पिच पर गेंद आसानी से नहीं आ रही थी। उन्होंने कहा कि टीम के हर खिलाड़ी ने छोटी-छोटी पारियों से योगदान दिया, जबकि समसन की शानदार पारी ने मैच को पूरी तरह ष्टस्च के पक्ष में झुका दिया। आगे की रणनीति पर हार्दिक ने संकेत दिया कि टीम कॉम्बिनेशन में बदलाव पर चर्चा हो सकती है। उन्होंने कहा कि अगले मैच से पहले टीम के पास कुछ दिन हैं और वे बैठकर तय करेंगे कि आगे क्या बेहतर किया जा सकता है।

आज से शुरु होगा मुकाबला

भारतीय पुरुषों की थॉमस कप में खिताब पर निगाह

होर्सेंस, एजेंसी

आयुष शेट्टी के हाल में शानदार प्रदर्शन तथा अनुभवी खिलाड़ियों के दम पर भारतीय पुरुष टीम आज से यहां शुरू होने वाले बीडब्ल्यूएफ थॉमस कप फाइनल्स में फिर से खिताब जीतने के लिए कोर्ट पर उतरेगी, जबकि उबर कप में महिला टीम अपनी क्षमता से बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करेगी। भारत थामस कप में शुक्रवार को कनाडा के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। इसके बाद वह सोमवार (27 अप्रैल) को ऑस्ट्रेलिया और बुधवार (29 अप्रैल) को चीन के खिलाफ खेलेगा। भारत ने चार साल पहले थॉमस कप का खिताब अपने नाम करके अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की थी। थामस कप को बैडमिंटन की विश्व टीम चैंपियनशिप माना जाता है। किदाम्बी श्रीकांत और एचएस प्रणय की अगुवाई में भारत ने डेनमार्क, मलेशिया और इंडोनेशिया को हराकर भारतीय बैडमिंटन इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ा था। श्रीकांत तब अजेय रहे थे जबकि प्रणय तथा सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने भी अहम भूमिका निभाई थी।

युवा सितारों का जोश दिलाएगा कामयाबी

इस बार भारत की मुख्य टीम वही है लेकिन अब उसमें आयुष जैसे उभरते सितारे का जोश भी शामिल है। आयुष ने बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया और 61 साल बाद फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बने। लक्ष्य सेन भी अच्छी फॉर्म में हैं। उन्होंने पिछले महीने ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में दूसरा स्थान हासिल किया था। सात्विक के कंधे की चोट से उबरने के बाद वह और उनके साथी चिराग तरोताजा होकर वापसी कर रहे हैं।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

सान्या बोलीं- भगवान न करे कंजूस पति मिले, पता चला लंच के लिए लंगर पर लेकर चला जाए

दंगल, बधाई हो और जवान जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों की एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा पिछले दिनों अपनी भावनात्मक फिल्म मिसेज के जीते अवॉर्ड्स को लेकर खबरों में थीं, वहीं अब वह चर्चा में हैं अपनी कॉमिडी फिल्म टोस्टर को लेकर। सान्या का कहना है कि अपनी कई फिल्मों में इमोशनल भूमिकाएं करने के बाद असल में वह ऐसे फील गुड किरदार की तलाश में थीं।

बकौल सान्या, इस फिल्म में काम करना मेरे लिए बहुत मजेदार अनुभव रहा, क्योंकि बतौर ऐक्टर मैं एक ऐसे किरदार के तलाश में थी जिससे मुझे फील गुड वाला अहसास कराए। मैंने इतनी कॉमिडी की भी नहीं है। मैंने ड्रामा वाली फिल्में ज्यादा की हैं और उसमें भी कुछ बहुत इमोशनल वाली भी रही हैं, ऐसे में कॉमिडी करना अच्छा ब्रेक था।

सान्या आगे बताती हैं, मुझे ऐसी मजेदार फिल्में देखना भी बहुत पसंद है। उस पर अगर आपको एक ऐसी टीम के साथ काम करने को मिले जहां आपको पता है कि आप सेट पर खुशी-खुशी जाओगे और खुशी-खुशी वापस आओगे। इसके अलावा, फिल्म में जो मेरे को-ऐक्टर्स हैं, उनकी कॉमिक टाइमिंग इतनी कमाल है कि उन्हें ऐक्टिंग करते देखना भी बहुत मजेदार होता है। जैसे, जब आप राज (राजकुमार राव) और अभिषेक (बनर्जी) को कुछ इंप्रोवाइज करते हुए देखते हैं तो बड़ा मजा आता है।

खुद कंजूस रही हूं, पर पति कंजूस नहीं चलेगा

फिल्म में सान्या का पति महाकंजूस होता है, क्या असल जिंदगी में कंजूस पति चलेगा? इस सवाल पर वह कहती हैं, भगवान न करे कि कंजूस पति मिले। पता चला लंच के लिए लंगर पर लेकर चला जाए (हंसती हैं)। हालांकि, मैं खुद कंजूस रह चुकी हूं। मैं काफी सोच-समझकर खर्च करने वाली रही हूं और हर चीज खरीदने से पहले काफी सोचती थी, मगर पति तो कंजूस बिल्कुल नहीं चलेगा।

सोनम ने माधुरी -संगीता बिजलानी संग शूटिंग का बताया किस्सा, कहा-

आपस में ज्यादा नहीं होती थी बात

मुंबई । पुरानी फिल्मों और उनके गानों का जादू समय बीतने के बाद भी लोगों के दिलों में बना रहता है। खासकर 80 और 90 के दशक की फिल्मों के गाने आज भी दर्शकों को उत्साह से भर देते हैं। उस दौर की शूटिंग के पीछे की कहानियां भी अक्सर बेहद दिलचस्प होती हैं, जो समय-समय पर कलाकार खुद साझा करते हैं। ऐसी ही एक याद को एक्ट्रेस सोनम खान ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। उन्होंने अपनी फिल्म त्रिदेव के मशहूर गाने गजर ने किया है इशारा की शूटिंग के अनुभवों की झलक दिखाई।

सोनम खान ने इंस्टाग्राम पर एक पुराना वीडियो क्लिप शेयर किया, जिसमें वह, माधुरी दीक्षित और संगीता बिजलानी एक साथ इस गाने पर डांस करती नजर आ रही हैं। वीडियो में तीनों अभिनेत्रियों का ग्लैमरस लुक देखने को मिल रहा है। तीनों के डांस स्टेप्स काफी शानदार है। इस पोस्ट के जरिए सोनम ने दर्शकों को एक बार फिर 80 के दशक के उस सुनहरे समय की याद दिला दी। इस पोस्ट के साथ सोनम खान ने कैप्शन में लिखा, जब मैं इस गाने की शूटिंग कर रही थी, उस समय मैं सेट पर सबसे छोटी थी। वहां माहौल

कुछ ऐसा था जैसे ऑफिस में लोग एक-दूसरे से ज्यादा बात नहीं करते। शूटिंग के दौरान हम तीनों एक साथ काम तो कर रही थीं, लेकिन आपस में ज्यादा बातचीत नहीं होती थी। कभी-कभी काम के माहौल में ऐसा हो जाता है कि लोग एक-दूसरे से दूरी बनाए रखते हैं, लेकिन इसका असर काम पर नहीं पड़ता। सोनम ने कहा, मेरा मकसद किसी को ठेस पहुंचाना नहीं है और यह सिर्फ मेरे नजरिए से देखा गया एक अनुभव है। मैं इस शूट से जुड़े और भी दिलचस्प किस्से आने वाले समय में साझा करूंगी। गजर ने किया है इशारा, फिल्म त्रिदेव का एनर्जी से भरा गाना है।

मेट्रो बाजार

भारत में तेजी से बढ़ रही बेहद अमीर लोगों की आबादी, 2031 तक 25 हजार के पार होगी : रिपोर्ट में दावा

मुंबई । भारत में अल्ट्रा-हाई-नेटवर्थ-इंडिविजुअल की आबादी तेजी से बढ़ी है और 2031 तक यह 25,000 के अधिक होने का अनुमान है। यह जानकारी रिपोर्ट में दी गई। नाइट फ्रैंक के एनालिसिस में कहा गया कि भारत की यूएचएनडब्ल्यूआई आबादी वर्तमान में 19,877 है, जो कि 2031 तक 27 प्रतिशत बढ़कर 25,217 होने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में अरबपतियों की संख्या में भी पिछले पांच वर्षों में 58 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि देखी गई है, जो 2026 में बढ़कर 207 हो जाएगी, जो अमेरिका और चीन के बाद वैश्विक स्तर पर तीसरी सबसे बड़ी संख्या है। देश में अरबपतियों की संख्या में 2031 तक 51 प्रतिशत की और वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे यह संख्या 313 तक पहुंच जाएगी। इसके साथ ही वैश्विक अरबपति आबादी में भारत की हिस्सेदारी 6.7 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 8 प्रतिशत हो जाएगी। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि 2026 में वैश्विक यूएचएनडब्ल्यूआई की आबादी में भारत की हिस्सेदारी 2.8 प्रतिशत होगी, जो पांच साल पहले मात्र 2 प्रतिशत से थोड़ी अधिक थी। यह वैश्विक धन परिदृश्य में देश के बढ़ते महत्व को दर्शाता है। अल्ट्रा-रिच लोगों के मामले में देश अब विश्व स्तर पर छठे स्थान पर है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत में धन का वितरण भौगोलिक रूप से अधिक होता जा रहा है, हालांकि मुंबई अल्ट्रा-रिच लोगों की आबादी में 35.4 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ अपना दबदबा बनाए हुए है।

पहली तिमाही में हुंडई मोटर का मुनाफा 23.6 % घटा, अमेरिकी टैरिफ और बढ़ती लागत का असर

सोल । दक्षिण कोरिया की प्रमुख ऑटो कंपनी हुंडई मोटर ने गुरुवार को बताया कि अमेरिकी टैरिफ और कच्चे माल की बढ़ती लागत के चलते इस साल की पहली तिमाही (क्यू1) में उसका शुद्ध मुनाफा (नेट प्रॉफिट) 23.6 प्रतिशत घट गया। कंपनी के अनुसार, जनवरी से मार्च के बीच उसका शुद्ध मुनाफा 2.58 ट्रिलियन वोन (लगभग 1.7 अरब डॉलर) रहा, जो पिछले साल इसी अवधि में 3.38 ट्रिलियन वोन था। योनहाप न्यूज एजेंसी ने बताया कि इस दौरान कंपनी की ऑपरेटिंग इनकम 30.8 प्रतिशत घटकर 2.51 ट्रिलियन वोन रह गई, जबकि बिक्री (सेल्स) 3.4 प्रतिशत बढ़कर 45.93 ट्रिलियन वोन हो गई।

मुनाफे में गिरावट के बावजूद कंपनी का प्रदर्शन बाजार के अनुमान से बेहतर रहा। विश्लेषकों ने औसतन 2.43 ट्रिलियन वोन के मुनाफे का अनुमान लगाया था। कंपनी ने मुनाफे में गिरावट के लिए अमेरिकी ऑटो टैरिफ, कच्चे माल की बढ़ती कीमतें और बढ़ते निवेश को जिम्मेदार बताया। कंपनी ने कहा कि केवल टैरिफ से जुड़े खर्च ही इस तिमाही में 860 अरब वोन रहे। वैश्विक स्तर पर कंपनी की कुल थोक बिक्री 2.5 प्रतिशत घटकर 9,76,219 यूनिट रही, जो बाजार में कमजोर मांग को दर्शाती है। हालांकि, कंपनी ने कहा कि उसने अन्य कंपनियों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन बनाए रखा।

कंपनी के अनुसार, हाई-वैल्यू वाहनों, खासकर हाइब्रिड कारों की मजबूत बिक्री और फाइनेंशियल सर्विसेज बिजनेस के अच्छे प्रदर्शन ने कुल बिक्री में आई गिरावट को कुछ हद तक संतुलित किया। हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहनों (एचईवी) की बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर 1,73,977 यूनिट रही, जबकि इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री 58,788 यूनिट रही।

अयोध्या: ऑनलाइन दर्शन वेबसाइट से विशिष्ट दर्शन विकल्प हटा

» श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट ने किए व्यवस्था से जुड़े और भी कई बदलाव

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की वेबसाइट में बदलाव किया गया है। ट्रस्ट ने ऑनलाइन दर्शन व्यवस्था को सरल बनाते हुए 'विशिष्ट दर्शन' का विकल्प हटा दिया है। अब वेबसाइट पर केवल सुगम दर्शन व सामान्य दर्शन का ही विकल्प उपलब्ध है। इसके अंतर्गत श्रद्धालु राम मंदिर में रामलला व राम परिवार के दर्शन के लिए पंजीकरण कर सकते हैं। ट्रस्ट के इस बदलाव को दर्शन व्यवस्था में समानता और पारदर्शिता लाने का प्रयास माना जा रहा है। ऑनलाइन बुकिंग करने वाले श्रद्धालुओं को अब एक ही श्रेणी में दर्शन की सुविधा मिल रही है। 30 तारीख तक के सभी स्लॉट पहले ही फुल हो चुके हैं।

न्यूज विंडो

नोएडा श्रमिक प्रदर्शन में आकृति और सृष्टि की जमानत पर सुनवाई टली

ग्रेटर नोएडा। श्रमिक हिंसा मामले में जिला कारागार में बंद आरोपित आकृति चौधरी, सृष्टि गुप्ता की जमानत याचिका पर बृहस्पतिवार को अपर जिला एवं सत्र न्यायालय में सुनवाई टल गई।पुलिस की तरफ से दलील दी गई आरोपितों के खिलाफ पूर्व में लगी धाराओं में बढ़ोतरी की गई है। इस कारण अदालत ने जमानत याचिका पर सुनवाई की अगली तारीख 27 अप्रैल निर्धारित की है। वहीं अदालत ने तीन प्रकरण में जेल में बंद तीन आरोपितों से पूछताछ के लिए तीन दिन की पुलिस रिमांड को मंजूरी दे दी है।श्रमिक हिंसा में जेल में बंद आरोपित आकृति चौधरी के अधिवक्ता रजनीश यादव ने बताया मामले में उसकी जमानत याचिका पर अगली सुनवाई 27 अप्रैल को होगी। नोएडा की फेज-2 कोतवाली में दर्ज मामले में पुलिस ने आरोपित आकृति चौधरी, सृष्टि गुप्ता और मनीषा चौहान की एक सप्ताह के लिए रिमांड मांगी थी।

रांची के ऐतिहासिक जगन्नाथपुर मंदिर परिसर में गार्ड की हत्या

रांची (धुर्वा)। राजधानी के धुर्वा स्थित ऐतिहासिक जगन्नाथपुर मंदिर परिसर में आज सुरक्षा गार्ड बिरसा की हत्या का मामला प्रकाश में आया है। मंदिर जैसे सुरक्षित और पवित्र स्थान पर हुई इस वारदात से पूरे शहर में सनसनी फैल गई है।घटना की जानकारी मिलते ही रांची एसएसपी, सिटी एसपी और डीएसपी समेत जिले के कई थानों के थाना प्रभारी और भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंच चुके हैं। पुलिस ने पूरे परिसर को घेरे में ले लिया है और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल की टीम और डॉग स्क्वायड को भी बुलाया गया है। विशेष जांच टीम हर उस पहलू पर काम कर रही है जिससे अपराधियों तक पहुंचा जा सके।फिलहाल हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है, लेकिन पुलिस मंदिर परिसर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

हिमाचल प्रदेश: सड़कें हैं या धूल के गुबार, अफसरों को अदालत में पेश होने के आदेश

शिमला। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने राज्य के प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों विशेष रूप से शिमला-ठियोग-नारकंडा हाईवे की दयनीय स्थिति पर कड़ा संज्ञान लिया है। मुख्य न्यायाधीश गुरमीत सिंह संधावालिया और न्यायाधीश बिपिन चंद्र नेगी की खंडपीठ ने जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार और लोक निर्माण विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए।खंडपीठ ने कहा कि ये सड़कें हैं या धूल के गुबार हैं। खराब सड़कों से न सिर्फ वाहनों को नुकसान हो रहा है, बल्कि उड़ती धूल से पर्यावरण और लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ रहा है। खंडपीठ ने पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर इन चीफ, एनएचएआई के मुख्य अभियंता को व्यक्तिगत रूप से अगली सुनवाई के दौरान पेश होने का आदेश दिया है। अधिकारियों को एक स्पष्ट रोडमैप पेश करने को कहा है कि ढली से नारकंडा तक की सड़क कब तक पूरी तरह ठीक कर दी जाएगी। अदालत ने अब इस जनहित याचिका का दायरा बढ़ाते हुए ठियोग से नारकंडा तक की सड़क को भी शामिल कर लिया है। मामले की सुनवाई 21 मई को होगी। विधिक सेवा प्राधिकरण की रिपोर्ट में बताया गया है कि फागू के पास 2-3 किलोमीटर का हिस्सा अभी भी खराब स्थिति में है।

अमित शाह का दावा, बोले-भाजपा को पहले चरण में भारी बढ़त

बंगाल में बीजेपी की सुनामी... ममता दीदी जाने वाली हैं

कोलकाता, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री और बीजेपी के सीनियर नेता अमित शाह ने कोलकात में प्रेस कांफ्रेस की। अमित शाह ने कहा बंगाल में कल पहले चरण में भारी मतदान हुआ। चुनाव के पहले चरण में किसी की भी जान नहीं गई और यह सुनिश्चित करने के लिए मैं निर्वाचन आयोग और सुरक्षा बलों को धन्यवाद देता हूं। मैं बंगाल के उन सभी मतदाताओं को बधाई और धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने पहले चरण में अपने मत डाले। आपने डर से विश्वास तक की यात्रा की शुरुआत इतनी सफलतापूर्वक की है और दूसरे चरण के मतदाता भी डर से विश्वास तक की इस यात्रा को जारी रखेंगे।

पहले चरण में बीजेपी को भारी बढ़त

अमित शाह ने कहा कि पहले चरण में बीजेपी को भारी बढ़त मिली है। इसका मुझे फीडबैक मिला है। अमित शाह ने दावा किया कि बीजेपी पहले चरण में 152 सीटों में से 110 सीटें जीतने जा रही है। उन्होंने कहा कि दूसरे चरण को मिलाकर हम बहुमत की सरकार बनाने जा रहे हैं। अमित शाह ने कहा कि बंगाल से दीदी जाने वाली हैं, बीजेपी आने वाली है। भय जाने वाला है, भरोसा आने वाला है। गृह मंत्री ने यह भी कहा कि बंगाल में सरकार बनने पर बीजेपी टीएमसी के भ्रष्ट्राचार की जांच कराएगी। सभी भ्रष्टाचार के आरोपों की सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज से जांच कराएंगे ।

बंगाली व्यक्ति ही बनेगा बीजेपी का सीएम

गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट किया कि बंगाल में चुनाव जीतने के बाद कोई बाहरी व्यक्ति मुख्यमंत्री नहीं बनेगा। बीजेपी बंगाल का सीएम उसी को बनाएगी, जो बंगाल में जन्म लिया होगा। बंगाली बोलने वाला होगा और बंगाल के लिए ही काम करने वाला होगा। शाह ने कहा कि बंगाल में इस बार टीएमसी की सरकार नहीं बनने वाली है। ममता के भतीजे कभी बंगाल के सीएम नहीं बन पाएंगे। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस का सत्ता से बाहर जाना तय है। भाजपा बंगाल में पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है।

चुनाव आयोग को कहा धन्यवाद

प्रेस वार्ता के दौरान अमित शाह ने आगे चुनाव आयोग की पूरी टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि वह चुनाव आयोग की पूरी टीम, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, चुनाव प्रक्रिया में जुड़े सभी अधिकारियों और पश्चिम बंगाल पुलिस को बधाई देते हैं। उन्होंने बताया कि लंबे समय बाद ऐसा चुनाव हुआ है जिसमें किसी भी व्यक्ति की मौत नहीं हुई। शाह के अनुसार, यह अपने आप में एक चमत्कार जैसा है कि इतनी शांत और सुरक्षित तरीके से मतदान संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि यह चुनाव व्यवस्था और सुरक्षा एजेंसियों के बेहतर तालमेल का परिणाम है, जिसने मतदान को सुरक्षित और शांतिपूर्ण बनाने में अहम भूमिका निभाई।इससे पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए अमित शाह ने पहले चरण में भारी मतदान के लिए मतदाताओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ने लोकतंत्र के इस महापर्व में ऐतिहासिक भागीदारी दर्ज की है और मतदान के सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।

हर बंगाली के मन में गंगा की खास जगह...

पीएम ने हुगली में नौका विहार करते हुए साझा की तस्वीरें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सुबह कोलकाता में हुगली नदी में नौका विहार किया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें भी साझा की हैं। इन तस्वीरों के साथ पीएम मोदी ने लिखा, 'हुगली की कुछ और झलकियां। इस महान नदी में नौका विहार के दौरान मैंने फोटोग्राफी में भी हाथ आजमाया। साथ ही विद्यासागर सेतु और हावड़ा ब्रिज को भी नजदीकी से कैमरे में कैद किया।' प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर नौका विहार की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, 'हर बंगाली के मन में गंगा की खास जगह है। कह सकते हैं कि गंगा बंगाल की आत्मा में बहती है। इसका पवित्र जल अपने साथ एक पूरी सभ्यता लेकर बहता है।'

'बंगाल जीतने के बाद दिल्ली पर कब्जा कर लूंगी', मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का भाजपा पर तीखा वार

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आज भाजपा पर हमला किया। उन्होंने कहा कि मेरा जन्म बंगाल में हुआ है और मैं बंगाल में ही मरूंगी। बंगाल जीतने के बाद, मैं दिल्ली पर कब्जा कर लूंगी।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा 'भाजपा के लिए काम करने वाले सभी लोगों के नाम सूचीबद्ध हैं। आपने भाजपा पृष्ठभूमि के आधार पर लोगों को लाया है और उसी के अनुसार अधिकारियों की नियुक्ति की है। याद रखिए, आप हमें हराने की क्षमता नहीं रखते। हम अन्याय के खिलाफ लड़ते हैं, हम अपने अधिकारों के लिए लड़ते हैं। मेरा जन्म बंगाल में हुआ है और मैं बंगाल में ही मरूंगी। बंगाल जीतने के बाद, मैं दिल्ली पर कब्जा कर लूंगी। मुझे सत्ता नहीं चाहिए, मुझे दिल्ली में भाजपा का विनाश चाहिए, न केवल बंगाल में विनाश होगा, बल्कि भाजपा को दिल्ली से भी हटाना होगा।

कबाड़ी के पास मिले सेना के चार जिंदा मोर्टार, इलाके में मचा हड़कंप

हिसार। हरियाणा के हिसार जिले के बरवाला चुंगी के नजदीक विकास नगर में बुधवार शाम को एक कबाड़ी के पास से सेना के चार जिंदा 51 एमएम मोर्टार राउंड मिले। सूचना मिलते ही पुलिस और सेना के जवान मौके पर पहुंचे। पुलिस को जब इस बात का पता चला तो हड़कंप मच गया।

पुलिस और बम निरोधक दस्ते की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने चारों मोर्टार को अपने कब्जे में लेकर वीरवार दोपहर करीब डेढ़ बजे सुरक्षित स्थान पर नष्ट किया। मोर्टार मिलने के बाद सेना के अधिकारियों ने भी पुलिस से संपर्क किया और जानकारी जुटाई।जानकारी के अनुसार आंबेडकर बस्ती में रहने वाला विजय नायक कबाड़ी का काम करता है। उसने बुधवार शाम को शहर थाना पुलिस को सूचना दी कि उसे कबाड़ में कुछ संदिग्ध सामान मिला है जो बम भी हो सकता है। जब इस बात की सूचना मिली तो पुलिस बिना देरी के विकास नगर स्थित खाली प्लॉट में पहुंची जहां पर संदिग्ध सामान रखा था।

खंडवा में जानवरों की चर्बी मिलाकर बनाया जा रहा था घी, प्रशासन ने जब्त किए ड्रम

खंडवा। खंडवा शहर में इमलीपुरा स्थित बेगम पार्क के पास छापा पार कार्रवाई में बड़ी मात्रा में चर्बी युक्त घी जिला प्रशासन ने जब्त किया है। यहां लंबे समय से इस तरह की गतिविधि चल रही थी। गुप्त सूचना पर सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर, तहसीलदार महेश सोलंकी, निगम उपायुक्त सचिन सिटोले पशु चिकित्सा अधिकारयों के साथ पहुंचे और दबिश दी।यहां बड़ी मात्रा में बोरियो में जानवरों की खाल, हड्डियों सहित ड्रामों और कनस्तरों में चर्बी युक्त घी पाया गया। कार्रवाई के दौरान मौके पर मौजूद मालिक अनवर कुरैशी को पुलिस थाने ले गई। पूछताछ में उसने अपने पास वर्ष 2023 का ट्रेड लाइसेंस अपशिष्ट सामग्री रखने का बताया।

हीटवेव से जीडीपी को लगेगा झटका, बढ़ जाएंगे मेडिकल बिल, कृषि उत्पादन घटने का अंदेशा

नई दिल्ली, एजेंसी

एक तरफ भारत मौसम विज्ञान विभाग ने हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, पंजाब, पूर्वी राजस्थान, बिहार, विदर्भ (महाराष्ट्र), छत्तीसगढ़ और झारखंड में बड़े पैमाने पर लू को लेकर अलर्ट जारी किया है।

वहीं दूसरी तरफ अर्थशास्त्री और स्वास्थ्य विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि, यह भीषण गर्मी सिर्फ तापमान ही नहीं बढ़ाएगी बल्कि यह आर्थिक विकास को धीमा करेगी, उत्पादकता घटाएगी और मेडिकल खर्चों को बहुत ज्यादा बढ़ा देगी।

भारत में लू अब सिर्फ एक स्वास्थ्य समस्या नहीं रह गई है, हाल के सालों में यह एक बड़ा आर्थिक

संकट बनकर उभरा है। रिपोर्ट के अनुसार अत्यधिक गर्मी के कारण अब तक लगभग .159 बिलियन की उत्पादकता का नुकसान हो चुका है। जो भारत की आय का लगभग 5.4 प्रतिशत है और हर साल 160 बिलियन से ज्यादा काम के घंटे बर्बाद हो जाते हैं, क्योंकि मजदूर अपनी पूरी क्षमता से काम नहीं कर पाते।

देश की GDP पर पड़ेगा असर

रिपोर्ट में आगे बताया गया कि, 'इस दशक के अंत तक, लू भारत की अर्थव्यवस्था को उम्मीद से कहीं ज्यादा नुकसान पहुंचा सकती है, जिससे देश की GDP का लगभग 2.5-4.5 प्रतिशत तक का नुकसान हो सकता है।

कुछ अनुमान तो यह भी बताते हैं कि अगर कोई नीतिगत कदम नहीं उठाया गया, तो इस सदी के मध्य तक गर्मी के तनाव के कारण भारत को अपनी GDP का 8.7 प्रतिशत तक का नुकसान हो सकता है। '

मेट्रो एंकर | फेसबुक पर स्टेटस लगा पांचवीं मंजिल से कूदा 23 साल का वकील, कानपुर कोर्ट की घटना

पापा जीत मुबारक, मैं हार गया...लाश को हाथ मत लगाना

कानपुर, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के कानपुर में युवा वकील की मौत के मामले ने सनसनी मचा दी है। युवा वकील ने कोर्ट की पांचवीं मंजिल से छलांग लगाकर जान दे दी। घटना के बाद कोर्ट परिसर में हड़कंप मच गया। वकील ने अपने पिता के नाम लिखे पत्र में कहा है, 'पापा आपको जीत मुबारक, मै हार गया। आप मेरे शव को हाथ मत लगाना।' घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर न्यायिक अधिकारियों के साथ जिला जज भी पहुंचे। पुलिस ने वकील को अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, उनकी पहले ही मौत हो चुकी थी। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आत्महत्या से करीब 15 मिनट पहले युवा वकील ने फेसबुक के स्टेटस पर दो पेज का सुसाइड नोट पोस्ट किया। इसमें बच्चों पर होने वाली सख्ती के उनके मन पर असर का जिक्र किया गया है।

इतनी भी सख्ती न हो कि बच्चों को हर पल घुटन महसूस होने लगे...

युवा वकील प्रियांशु श्रीवास्तव ने सुसाइड नोट में अपने पिता पर कई आरोप लगाए हैं। उसने लिखा कि उसकी उम्र 23 वर्ष 11 माह 7 दिन है। 23 अप्रैल समय दोपहर 12:05 बजे वह अपने पूरे होशो हवास में बिना किसी जोर-दबाव एवं जबरदस्ती के सुसाइड नोट लिखकर अपनी जान दे रहा हूं। खुद को रजिस्टर्ड वकील बताते हुए प्रियांशु ने लिखा कि मुझे करीब 5 या 6 वर्ष की उम्र में मानसिक यातनाएं मिलनी शुरू हो गई थीं। बताने में बहुत शर्म महसूस हो रही है। करीब 6 वर्ष की उम्र में फ्रिज में रखे आम के जूस को पीने के कारण मुझे निर्वस्त्र करके घर से बाहर भगा दिया गया।प्रियांशु ने सुसाइड नोट में लिखा है कि माना कि हर मां-बाप को शुरू से ही सख्त रवैया अपनाना चाहिए, ताकि उनके बच्चों का भविष्य संवर सके। लेकिन, इतनी भी सख्ती न हो कि बच्चों को हर पल घुटन महसूस होने लगे। परीक्षा से एक दिन पहले अगर सिलेबस पूरा तैयार नहीं है तो मारने लग जाना। हर समय हर मिनट शक की नजरों से देखना, जरूरत से ज्यादा एक-एक मिनट का हिसाब लेना। कहीं न कहीं ये मानसिक टॉर्चर ही है। इस टॉर्चर के साथ मैं ज्यादा समय तक और नहीं जी सकता हूं।

कानपुर के युवा वकील के सुसाइड नोट को सोशल मीडिया पर देखने के बाद पिता डांट भी लगाई, लेकिन उनकी जान नहीं बचा सके। सुसाइड नोट में वकील ने पिता पर बेइज्जत करने का आरोप लगाया है। कानपुर के बर्रा आठ वरुण विहार निवासी वकील राजेंद्र कुमार श्रीवास्तव का 23 वर्षीय बेटा प्रियांशु श्रीवास्तव भी कचहरी में पिता के साथ वकालत करता था। प्रियांशु ने पिछले साल डीसी लॉ कॉलेज से लॉ की डिग्री ली ली थी। गुरुवार दोपहर प्रियांशु कोर्ट भवन की पांचवीं मंजिल से छलांग लगाकर जान दे दी।प्रियांशु ने गुरुवार दोपहर 12:05 बजे दो पेज का सुसाइड नोट लिखा। इसके तीन घंटे बाद उसने जान दे दी। इस आत्मघाती कदम के ठीक 15 मिनट पहले उसने सुसाइड नोट को अपने आईडी के स्टेटस पर लगाया। सुसाइड को देखते ही उसे जानने वाले वकीलों में हड़कंप मच गया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564